भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स
DAINIK SACH TIMES

वर्ष 13 अंक 286 | ग्वालियर,शनिवार 01 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

वाहन चालक श्री मोहन सोनी हुए सेवानिवृत्त, जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित हुआ विदाई समारोह...
पेज : 03

पाक अधिकृत कश्मीर में बदलाव की तस्वीर
पेज : 04

हर शुक्रवार होगा 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान', योजनाओं से वंचित लोगों तक पहुंचेगा प्रशासन
पेज : 06

देहात पुलिस ने बस स्टैण्ड पर चलाया विशेष चेकिंग अभियान
पेज : 07

प्रधानमंत्री शनिवार को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक का करेंगे दौरा, 17,900 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की देंगे सौगात

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 01 अगस्त को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वह कर्नाटक के मैसूर में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र 'विवेक स्मारक' का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वह लगभग 11:30 बजे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 5,640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित इस ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और भोगपुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे।

60 लाख यात्रियों की वार्षिक क्षमता वाले इस हवाई अड्डे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बायोमेट्रिक यात्री प्रसंस्करण, स्वचालित बैगेज प्रणाली और एयरपोर्ट प्रेडिक्टिव ऑपरेशंस सेंटर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। इसका स्थापत्य आंध्र प्रदेश की पारंपरिक 'चुट्टिलु' झोपड़ियों, अराकू घाटी और उड़ने वाली मछली से प्रेरित है। प्रधानमंत्री विशाखापत्तनम में 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली आंध्र प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई की आधारशिला भी रखेंगे। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत यह परियोजना एएसआईपी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी के सहयोग से विकसित की जा रही है। इस संयंत्र में प्रतिवर्ष लगभग 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन होगा और उच्च कौशल वाले रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री लगभग 5,550 करोड़ रुपये की लागत वाली कुरनूल-4 अक्षय ऊर्जा क्षेत्र (आरईजेड) फेज-1 ट्रांसमिशन प्रणाली की आधारशिला रखेंगे। वह लगभग 3,550 करोड़ रुपये और 820 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विभिन्न विद्युत पारेषण परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। इन परियोजनाओं से कुरनूल और अनंतपुर के अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों से उत्पादित बिजली का राष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से देशभर में बेहतर वितरण संभव होगा तथा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री 1,880 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भी लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इनमें एनएच-365बीजी के रेचेरला-गुरुवायगुडेम तथा गुरुवायगुडेम-देवरापल्ले ग्रीनफील्ड चार लेन खंड, एनएच-67 पर ताडीपत्री बाईपास और एनएच-565 पर लिंगसमुद्रम उच्च स्तरीय पुल शामिल हैं। इन परियोजनाओं से विजयवाड़ा सहित कई शहरों में यातायात का दबाव कम होगा, सड़क सुरक्षा बढ़ेगी और विशाखापत्तनम-हैदराबाद के बीच यात्रा समय में कमी आएगी। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे प्रधानमंत्री कर्नाटक के मैसूर स्थित श्री रामकृष्ण आश्रम में निर्मित स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र- विवेक स्मारक का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे सभा को संबोधित भी करेंगे। यह स्मारक नवंबर 1892 में स्वामी विवेकानंद की मैसूर यात्रा की स्मृति में बनाया गया है। 81,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैले इस केंद्र में 4-डी अनुभव केंद्र, प्रदर्शनी हॉल, 700 सीटों वाला एम्फीथिएटर, पुस्तकालय, ध्यान एवं योग कक्ष, सम्मेलन कक्ष तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

मप्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर में देंगे बड़ी सौगातें

- जबलपुर में 11 लाख पौधारोपण महाअभियान का करेंगे शुभारंभ

भोपाल, 31 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार, 01 अगस्त को जबलपुर के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री शहरवासियों को विकास, स्वच्छता और पर्यावरण से जुड़ी कई बड़ी सौगाते देंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी एम.एस. उइके ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव डुमना नेचर पार्क में 'कैच द रेन' अभियान के अंतर्गत 11 लाख पौधारोपण अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके तहत उमरिया, डुमना और कठौंदा में मियावाकी पद्धति से 5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसके अलावा, मुख्यमंत्री उमरिया में 5 एकड़ के पौध-पहचान पार्क, डुमना में 'नवग्रह वाटिका' और जल संरक्षण के लिए

'कैच द रेन' अभियान के तहत सोकपिट्स बनाने का शुभारंभ करेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. यादव घंटाघरस्थित गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम में 362.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 'अमृत 1.0' सीवेज परियोजना और कठौंदा, ललपुर व तेवर में बने तीन बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण करेंगे, जिससे 89 हजार घरों को फायदा मिलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिविल लाइन में आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडर्न लॉन्ड्री की सौगात देंगे। वहीं, गुरंदी में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से बने नए पक्के मत्स्य बाजार का लोकार्पण किया जाएगा, जहाँ 55 व्यापारियों को अत्याधुनिक सुविधाओं वाली दुकानें मिलेंगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव कार्यक्रम के दौरान पीएम स्वनिधि के 500 हितग्राहियों को डिजिटल कार्ड प्रदान करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव तिलवारा स्थित नव निर्मित थाना व पुलिस आवासों का लोकार्पण भी करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ग्वालियरः विधानसभा अध्यक्ष तोमर के मुख्य आतिथ्य में सावन मेले का शुभारंभ 01 अगस्त को

ग्वालियर, 31 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित सावन मेले का औपचारिक शुभारंभ शनिवार, 01 अगस्त को सायं 5 बजे श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर होंगे। मेला प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को जानकारी दी गई कि सावन मेले में विभिन्न प्रकार के आकर्षक झूले, मनोरंजन के आधुनिक साधन, स्वादिष्ट व्यंजनों के फूड स्टॉल तथा खरीदारी के लिए विविध प्रकार की दुकानें लगाई गई हैं। जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए मनोरंजन और खरीदारी का विशेष आकर्षण उपलब्ध है। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण ने शहर एवं आसपास के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में सावन मेले में पहुंचकर पारिवारिक वातावरण में मेले का आनंद लेने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

राजगढ़ः कपड़ा दुकान से 9 हजार की 6 साड़ियां चोरी, तीन महिलाएं पकड़ाई, दो फरार

राजगढ़, 31 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर के ओल्ड एबी रोड स्थित मां वैष्णो देवी मंदिर के सामने गुरुकृपा कलेक्शन पर शुक्रवार दोपहर पांच महिलाओं ने चंद मिनटों में करीब 9 हजार रुपये कीमत की छह साड़ियां चोरी कर लीं। वारदात उस समय हुई जब दुकान संचालक बाहर गए हुए थे। हालांकि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरी का खुलासा हो गया। पीछा कर तीन महिलाओं को पकड़ लिया गया,जबकि उनकी दो साथी मौके से फरार हो गईं। दुकान संचालक रूपसिंह कुशवाह ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे पांच महिलाएं साड़ियां खरीदने के बहाने दुकान पर पहुंचीं। उस समय दुकान पर कर्मचारी मौजूद था। महिलाओं ने कई साड़ियां देखने के बाद बिना खरीदे जाने की बात कही। उनके जाने के बाद कर्मचारी को शक हुआ तो सीसीटीवी फुटेज देखी गई। फुटेज में महिलाएं साड़ियों को छिपाकर दुकान से निकलती और बाद में अपना नगर जाने वाली सड़क पर एक कट्टे में रखती दिखाई दी। इसके बाद दुकानदार और आसपास के लोगों ने महिलाओं का पीछा किया और थाने के सामने उन्हें रोक लिया। तीन महिलाओं को पकड़कर सिटी थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया, जबकि दो महिलाएं भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गईं।

स्थानीय अनुभव, वैज्ञानिक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व का संगम हैं ग्रासरूट्स नवाचार : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत अपनी विशालता और नवाचार की भावना के बल पर ग्रासरूट्स (जमीनी स्तर के) नवाचारों की वैश्विक शक्ति बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार समाज की जरूरतों के अधिक अनुकूल होते हैं क्योंकि इनमें स्थानीय अनुभव, वैज्ञानिक सोच, व्यक्तिगत सृजनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का समावेश होता है।

राष्ट्रपति ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अटल नवाचार मिशन (एआईएम) के ग्रासरूट्स इनोवेटर्स के एक समूह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नवाचार प्रदर्शनी का अवलोकन किया और नवाचारकर्ताओं से बातचीत भी की।

राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह देखकर प्रसन्नता हुई कि देशभर के नवाचारकर्ता स्थानीय समस्याओं के ऐसे समाधान विकसित कर रहे हैं, जिनका महत्व राष्ट्रीय स्तर पर भी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में अपशिष्ट से संपदा (वेस्ट टू वेल्थ), ऊर्जा संरक्षण, महिलाओं और दिव्यांगजनों की सुविधा, पर्यावरण संरक्षण, कृषि तथा कला संरक्षण जैसे क्षेत्रों में विकसित नवाचार समाज के लिए उपयोगी हैं।

उन्होंने कहा कि वह स्वयं ग्रामीण पृष्ठभूमि से आती हैं और बचपन से उन्होंने देखा है कि गांवों के लोगों के पास व्यावहारिक ज्ञान का समृद्ध भंडार होता है। किसान अपने अनुभव से खेती में नए प्रयोग करते हैं, महिलाएं उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करती हैं और स्थानीय कारीगर सीमित साधनों से उपयोगी वस्तुएं तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि यही सोच नवाचार की वास्तविक नींव है। राष्ट्रपति ने कहा कि समाज में परिवर्तन केवल विचारों से नहीं आता, बल्कि उन्हें आगे बढ़ाने के लिए ऐसा वातावरण जरूरी है जो प्रतिभाओं को मार्गदर्शन, संसाधन और उचित मंच उपलब्ध कराए। उन्होंने अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटरों की सराहना करते हुए कहा कि ये केंद्र जमीनी स्तर के नवाचारकर्ताओं को तकनीकी सहायता देने और उनके विचारों को सफल उद्यम में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब प्रत्येक नागरिक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए नवाचार की सोच के साथ काम करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि देश में नवाचार की संस्कृति लगातार मजबूत हो रही है और इसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचेगा।

हरिद्वार कांवड़ मेला : 2 दिन में 25 लाख से ज्यादा शिव भक्त कांवड़ियों ने भरा गंगाजल

हरिद्वार, 31 जुलाई (हि.स.)। कांवड़ मेला के दूसरे दिन हरिद्वार में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पुलिस कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को 14 लाख 55 हजार श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 25 लाख 10 हजार शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर विभिन्न राज्यों के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रमुख स्नान घाटों,

कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने सभी शिवभक्तों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का पालन करें और प्रशासन तथा पुलिस द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करें।

पहली बार वंदेभारत एक्सप्रेस से पहुंचाया गया लाइव हार्ट, भारतीय रेलवे ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। भारतीय रेल ने पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए जीवित हृदय (लाइव हार्ट) को सूरत से अहमदाबाद सुरक्षित पहुंचा कर नया इतिहास बनाया है। इस हृदय का प्रत्यारोपण अहमदाबाद के यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में किया जाएगा।लाइव हार्ट को ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदेभारत एक्सप्रेस से अहमदाबाद लाया गया। पूरा अभियान समय के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण था क्योंकि हृदय को तय समय के भीतर अस्पताल पहुंचाना जरूरी था। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से अस्पताल तक हृदय को ले जाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और गुजरात पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इससे बिना किसी रुकावट के हृदय को सीधे अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि प्रत्यारोपण में देरी न हो।

अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेदप्रकाश ने इस उपलब्धि को भारतीय रेलवे के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि ऐसे जीवनरक्षक अभियानों में प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल, आरपीएफ, गुजरात पुलिस और चिकित्सा टीमों के बीच बेहतर समन्वय के कारण यह मिशन सफल हो सका। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में भारतीय रेलवे की भूमिका निभाना केवल जिम्मेदारी नहीं बल्कि सेवा और मानवता के प्रति सर्वोच्च दायित्व है। रेलवे के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस की गति, समयपालन और विश्वसनीयता ने इस मिशन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारतीय रेल केवल यात्री और माल परिवहन तक सीमित नहीं है बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी प्रभावी माध्यम बन रही है।

कैबिनेट : किसान, खेल, समुद्र और ऊर्जा से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना, पीएम-किसान योजना, 'समुद्र मंथन' योजना और संशोधित खेलो इंडिया और एएनएसएफ योजनाओं को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज उक्त प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रिमंडल ने 5,070 करोड़ रुपये के कुल बजट परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई) को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य कम से कम 10,000 मेगावाट भंडारण क्षमता वाले ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ 5,000 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर पीवी प्रोजेक्ट विकसित करना है।

पीएम-किसान योजना 2030-31 तक जारी रहेगी। इसके लिए कुल 3.15 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय आवंटन किया गया है। योजना के तहत किसानों को सीधे

4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक हस्तांतरित किए जा चुके हैं। मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना 'समुद्र मंथन' को मंजूरी दी है। इसके लिए वित्त वर्ष 2030-31 तक कार्यान्वयन हेतु 84,084 करोड़ रुपये का स्वीकृत परिव्यय निर्धारित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य भारत की विशाल अपतटीय ऊर्जा क्षमता का दोहन करना और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है।

महाराष्ट्र के भिवंडी बिल्डिंग हादसे में 10 की मौत, 4 घायल

मुंबई, 31 जुलाई (हि.स.)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित भिवंडी में चार मजली बिल्डिंग हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के एक ही परिवार के चार लोग शामिल हैं। इस घटना में चार घायलों का इलाज इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल में हो रहा है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि इस घटना में मृतकों के प्रति सरकार संवेदनशील है। लेकिन घटनास्थल पर चोरी से मरम्मत काम हो रहा था, जो कि बहुत ही अक्षम्य है। इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाएगी और दोषियों को कठोर सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस घटना में मृतकों के आश्रितों को प्रत्येक 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी और घायलों

को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी।

ठाणे जिला प्रशासन के अनुसार भिवंडी के बालाजी नगर-गंगारामवाड़ी में स्थित चार मंजिला कोहिनूर अपार्टमेंट अचानक बीती रात अचानक गिर जाने से अब तक दस लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों के मलवे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर अभी भी एनडीआरएफ, टीडीआरएफ की ओर से स्थानीय फायर ब्रिगेड के साथ राहत और बचाव कार्य जारी है।

इस घटना में अब तक 14 लोगों को मलवे से निकाला गया है। इनमें से 10 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4 घायल हैं। चारों घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है। इस घटना में मृतकों की पहचान शमीम शेख (32), रंजीत सिंह (45), सिराज रसूल शेख (34),संतोष कुमार पांडे (42), शमीम अंसारी (30), अशोक कुमार पासवान, राकेश कुमार पासवान, मुकेश कुमार पासवान , किशु कुमार पासवान और एक अन्य के रुप में की गई है।

स्वामी / प्रकाशक/ मुद्रक / संपादक- रविन्द्र सिंह नवरंग, रविन्द्र प्रिटर्स, कनक गार्डन गोले का मंदिर ग्वालियर (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रित। मोवा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र ग्वालियर ही होगा।
RNI No. : MPHIN/2014/65180 email : sachtimes101@gmail.com

भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश जिला संघ मुरैना के तत्वावधान में आयोजित प्राचार्य संगोष्ठी उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई

जिला संघ मुरैना के तत्वावधान में शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुरैना में प्रातः 11:30 बजे आयोजित प्राचार्य संगोष्ठी उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश जिला संघ मुरैना द्वारा प्राचार्य संगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

मुरैना (निज संवाददाता)। भारत स्काउट एवं गाइड, मध्य प्रदेश जिला संघ मुरैना के तत्वावधान में आयोजित प्राचार्य संगोष्ठी उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। संगोष्ठी में जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए विद्यालयों में स्काउटिंग-गाइडिंग गतिविधियों के विस्तार, संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, प्रशिक्षण, पंजीयन, निधि के समुचित उपयोग तथा आगामी कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

संगोष्ठी के शिविर संचालक श्री जे. पी. कौशिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्काउटिंग केवल एक सहशैक्षणिक गतिविधि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता, सहयोग, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने वाली सशक्त शैक्षणिक पद्धति है। उन्होंने विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों को नियमित एवं प्रभावी रूप से संचालित करने का आह्वान किया।

संगोष्ठी के संचालन मंडल में श्री वीर सिंह यादव, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट), चम्बल संभाग मुरैना, श्री शेखर सिंह यादव, जिला सचिव, श्री अतर सिंह राजपूत, जिला प्रशिक्षण आयुक्त, डॉ. राकेश कुमार शर्मा, तथा श्री मूलचंद गौड़ उपस्थित रहे।

श्री वीर सिंह यादव, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट), चम्बल संभाग मुरैना ने अपने मार्गदर्शन में स्काउटिंग-गाइडिंग की मूल अवधारणा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय के प्राचार्य संगठन की गतिविधियों के प्रमुख प्रेरक एवं संरक्षक होते हैं। प्राचार्य के प्रभावी मार्गदर्शन से विद्यालय में स्काउट दल, गाइड दल, रोवर-रेंजर टीम एवं विभिन्न सेवा गतिविधियों का सफल संचालन संभव होता है। उन्होंने विद्यालय स्तर पर नियमित प्रशिक्षण, परेड, प्रार्थना, सामुदायिक सेवा, साहसिक गतिविधियों एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

श्री शेखर सिंह यादव, जिला सचिव ने संगोष्ठी के एजेंडा की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यालय में स्काउट दल, गाइड दल एवं रोवर-रेंजर टीम के लिए प्रभारी शिक्षक-शिक्षिकाओं का निर्धारण आवश्यक है। उन्होंने प्रभारी शिक्षक-शिक्षिकाओं की भूमिका एवं दायित्वों पर विस्तार से चर्चा करते हुए विद्यालय स्तर पर नियमित गतिविधियों के संचालन, विद्यार्थियों के पंजीयन, प्रशिक्षण, परीक्षण शिविरों एवं जिला तथा विकासखंड स्तरीय कार्यक्रमों में सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

उन्होंने लोक शिक्षण संचालनालय के वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार प्रति सप्ताह दो कालखंड स्काउट-गाइड गतिविधियों के लिए निर्धारित कर नियमित रूप से गतिविधियों का संचालन करने पर विशेष बल दिया। साथ ही दल पंजीयन एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करते हुए सभी विद्यालयों से निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने का आग्रह किया।

श्री अतर सिंह राजपूत, जिला प्रशिक्षण आयुक्त ने स्काउट-गाइड, स्काउटर-गाइडर एवं रोवर-रेंजर के प्रायोगिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, प्राथमिक उपचार, गांठें, संकेत, पथ-ज्ञान, तंबू निर्माण, सामुदायिक सेवा एवं आपदा प्रबंधन जैसे व्यावहारिक कौशल विकसित होते हैं। उन्होंने विद्यालयों से शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रशिक्षण हेतु आवश्यक नाम निर्धारित संख्या में उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि स्काउटिंग-गाइडिंग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रभावी माध्यम है। विद्यालयों में नियमित गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, टीम भावना, सेवा संस्कार एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। उन्होंने प्राचार्यों से स्काउट-गाइड गतिविधियों को विद्यालय की नियमित शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने का आग्रह किया।

श्री मूलचंद गौड़ ने विद्यालयों में स्काउट-गाइड इकाइयों को सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी प्राचार्यों एवं प्रभारी शिक्षक-शिक्षिकाओं से जिला, विकासखंड एवं समूह स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

संगोष्ठी में दिनांक 25 जुलाई 2026 की स्थिति में कैशबुक के शेष (बैलेंस) की जानकारी प्रस्तुत करने एवं वित्तीय अभिलेखों को नियमित एवं अद्यतन रखने पर चर्चा की गई। साथ ही यह स्पष्ट किया गया कि स्काउट-गाइड निधि का उपयोग अन्य मदों में नहीं किया जाएगा तथा निधि का उपयोग निर्धारित नियमों एवं संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप ही किया जाना चाहिए।

जिन विद्यालयों में स्काउट-गाइड की निर्धारित यूनिफॉर्म उपलब्ध नहीं है, उनसे आवश्यक मांग-पत्र साथ लाने एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करने के संबंध में चर्चा की गई।

संगोष्ठी में आगामी द्वितीय सोपान स्काउट-गाइड जांच शिविर के आयोजन पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संबंधित विद्यालयों से शिविर हेतु 12 स्काउट एवं 12 गाइड के नामों की सूची, आयोजित गतिविधियों का विवरण तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रशिक्षण हेतु निर्धारित संख्या में नाम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त जिला, विकासखंड एवं समूह स्तरीय कार्यक्रमों, स्काउट-गाइड शिविरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, परीक्षण शिविरों तथा विभिन्न सेवा एवं सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई। संगोष्ठी में उपस्थित प्राचार्यों ने विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने तथा संगठन के कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता का आश्वासन दिया।

अंत में शिविर संचालक श्री जे. पी. कौशिक ने सभी अतिथियों, प्राचार्यों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग से भारत स्काउट एवं गाइड की गतिविधियों को जिले के प्रत्येक विद्यालय तक प्रभावी रूप से पहुँचाया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर गुरु महिमा से गुंजायमान

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) द्वारा लोटस गोल्डन गार्डन, ग्वालियर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर अपने सद्गुरु के प्रति कृतज्ञता एवं श्रद्धा भाव अर्पित किया तथा आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। संपूर्ण वातावरण भजन-कीर्तन, गुरु महिमा के गुणगान एवं दिव्य आध्यात्मिक प्रवचनों से भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य स्वामी तेजोमयानंद जी ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति समर्पण, कृतज्ञता एवं आत्मचिंतन का दिव्य अवसर है। पूर्ण सतगुरु ही साधक के जीवन से अज्ञान, अहंकार एवं विकारों का नाश कर उसे आत्मज्ञान एवं ईश्वर प्राप्ति के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। उन्होंने बताया कि पूर्ण सतगुरु द्वारा प्रदत्त दिव्य ज्ञान 'ब्रह्मज्ञान' के माध्यम से ही साधक अपने अंतर्मन में विराजमान परमात्मा का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकता है। आध्यात्मिक प्रवचनों में यह भी बताया गया कि दुर्लभ मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल सांसारिक उपलब्धियाँ प्राप्त करना नहीं, बल्कि दिव्य ज्ञान प्राप्त कर परमात्मा का साक्षात्कार करना है। यदि मनुष्य इस अमूल्य मानव जीवन को प्राप्त करके भी ईश्वर भक्ति एवं आत्मकल्याण का प्रयास नहीं करता, तो उसका जीवन व्यर्थ चला जाता है। श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए स्वामी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का वास्तविक उत्सव तभी सार्थक होता है, जब शिष्य गुरु के उपदेशों को अपने जीवन में उतारते हुए भक्ति, ध्यान एवं निस्वार्थ सेवा का मार्ग अपनाए। महापुरुषों का जीवन त्याग, वैराग्य, करुणा एवं लोककल्याण का प्रेरणास्रोत है। पूर्ण गुरु के मार्गदर्शन में चलकर प्रत्येक साधक आत्मोन्नति करते हुए परमात्मा की प्राप्ति की दिशा में अग्रसर हो सकता है। गुरु पूर्णिमा महोत्सव का समापन सामूहिक ध्यान-साधना, गुरु वंदना, आरती एवं प्रसाद-भंडारे के साथ हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हुए मानवता के कल्याण एवं विश्व शांति की प्रार्थना की।सोशल मीडिया डेस्क के मध्य से लोगों को जागरूक किया गया, की वे किस प्रकार सोशल मीडिया की उपियोग करके सत्संग,भजन घर बैठे सुन सकते है। गुरु पूजा के पावन अवसर पर श्री जे. पी. मुद्गल जी(वरिष्ठ नेता, [illegible]), श्री मुन्नालाल गोयल जी(पूर्व विधायक), श्री अजय भाजपाई जी(वरिष्ठ वास्तुकार इंजीनियर') अतिथि के रूप मे उपस्थित रहें।

'वनिता जागृति मंच द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व पर भक्तिभाव से भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया

मुरैना (निज संवाददाता)। संस्था की संस्थापिका भारती जैन 'दिव्यांशी', संचालिका महिमा जैन 'सुधी' और सचिव अनुराधा जैन एवं मीना जैन लिली जैन,संगीता जैन, रेनू जैन ,रेखा जैन ,बबली जैन सुनीता जैन,रीना जैन ,आराधना जैन की उपस्थिति में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सामाजिक , सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था 'वनिता जागृति मंच (मन से मन तक)' द्वारा एक भक्तिमय भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समूह की सदस्यों एवं अन्य महिलाओं ने श्रद्धा पूर्वक भाग लेकर प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की संगीतमय स्तुति की और गुरु चरणों में अपना नमन समर्पित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। तत्पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भक्तामर स्तोत्र का पाठ कर वातावरण को पूरी तरह से धर्ममय और भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के अंत में आरती की गई तथा सभी उपस्थित जनों को महिमा जैन एवं वनिता समूह की ओर द्रव्य दान किया गया। इस भक्तिमय आयोजन से सभी सदस्यों ने असीम आत्मिक शांति और प्रसन्नता का अनुभव किया।

राजगोपाल पी.वी. (राजू भाई) की मौजूदगी में विधायक पंकज उपाध्याय की बड़ी घोषणा

भगवान निषादराज के नाम पर बनेगा धर्मशाला एवं सामुदायिक भवन

केवट-मलाह समाज के सुरक्षित पुनर्वास, रोजगार और विकास का लिया संकल्प

महात्मा गांधी सेवा आश्रम ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को वितरित की हेवी-ड्यूटी वाटरप्रूफ तिरपाल शीटें

जौरा (निज संवाददाता)। पहाड़गढ़ विकासखंड के ग्राम होराबरा में केवट-मलाह विकास समिति के तत्वावधान में समुदाय की ज्वलंत समस्याओं को लेकर एक विशाल जनसंवाद एवं सामुदायिक बैठक आयोजित की गई। बैठक से पूर्व महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा बरसात एवं बाढ़ से प्रभावित गरीब एवं जरूरतमंद केवट-मलाह परिवारों को राहत सामग्री के रूप में हेवी-ड्यूटी वाटरप्रूफ तिरपाल शीटें (Heavy Duty Waterproof Tarpaulin Sheets) वितरित की गई, जिससे वर्षा के दौरान उनके घर सुरक्षित रह सकें।

महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव दिलीप जैन ने बताया कि केवट-मलाह समुदाय का कोई भी गरीब परिवार राहत सामग्री से वंचित नहीं रहेगा। आश्रम द्वारा और भी राहत सामग्री शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी तथा प्रत्येक जरूरतमंद परिवार के घर तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मानवीय अभियान में जिला प्रशासन भी आगे बढ़कर सहयोग करेगा। बैठक में विख्यात गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता राजगोपाल पी.वी. (राजू भाई) मुख्य अतिथि तथा जौरा विधायक पंकज उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके साथ महात्मा गांधी सेवा आश्रम के सचिव दिलीप जैन, केवट-मलाह विकास समिति के संयोजक लखन सिकरवार, एकता परिषद के जिला संयोजक उदयभान सिंह परिहार, वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मण सिंह केवट, बनवारी केवट, रमेश केवट, महिला नेत्री कुसुमा केवट सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लखन सिकरवार एवं उदयभान सिंह परिहार ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में केवट-मलाह समुदाय द्वारा सभी अतिथियों का पारंपरिक एवं भव्य स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया गया। ग्रामीणों ने बाढ़ के समय सुरक्षित आवास, रोजगार, पलायन, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली, गरीबी, बेरोजगारी तथा शासन-प्रशासन की उपेक्षा जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए मांग की कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर भूमि आवंटित कर स्थायी आवास बनाकर नया गांव बसाया जाए।

अपने प्रेरक संबोधन में विख्यात गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता राजगोपाल पी.वी. (राजू भाई) ने कहा कि समाज के सबसे कमजोर और वंचित लोगों को आत्मनिर्भर एवं अधिकार-संपन्न बनाना ही सच्ची गांधीवादी सेवा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि वंचित समाज हाथ जोड़ने के बजाय अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करे। उन्होंने ग्राम सभा को लोकतंत्र की सबसे शक्तिशाली संस्था बताते हुए कहा कि यदि समाज संगठित होकर ग्राम सभा को मजबूत बनाए तो उसके प्रस्तावों को लागू करना सभी के लिए बाध्यकारी होता है। उन्होंने आह्वान किया कि 'पैर छूना छोड़ो, मुट्ठी बांधो और अपने हक़-अधिकारों के लिए संगठित संघर्ष करो। जल, जंगल और जमीन पर पहला अधिकार स्थानीय समाज का है। '

इस दौरान जौरा विधायक पंकज उपाध्याय ने समुदाय के लोगों से खुला संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि केवट-मलाह समाज को अनुसूचित जाति आरक्षण में शामिल कराने की मांग को लेकर वे विधानसभा में दो बार प्रस्ताव रख चुके हैं तथा भविष्य में भी इस संघर्ष को जारी रखेंगे।

विधायक पंकज उपाध्याय ने राजू भाई की उपस्थिति में संकल्प लिया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास, रोजगार की व्यवस्था और पलायन रोकने के लिए शासन-प्रशासन के स्तर पर निरंतर संघर्ष करेंगे। उन्होंने भगवान निषादराज के नाम पर धर्मशाला एवं सामुदायिक भवन निर्माण हेतु विधायक निधि से विशेष राशि देने की घोषणा की। साथ ही सार्वजनिक स्थान पर शीघ्र हैंडपंप स्थापित कराने, वर्षों से सरकारी भूमि पर निवास कर रहे परिवारों को मालिकाना हक दिलाने, पूर्व में दिए गए पट्टों पर कब्जा दिलाने तथा आवास, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया।

अपने संबोधन में विधायक पंकज उपाध्याय ने राजगोपाल पी.वी. (राजू भाई) को 'आज का गांधी' बताते हुए कहा कि केवट-मलाह समाज की दयनीय स्थिति को देखकर वे अत्यंत चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि समाज को न्याय दिलाने के लिए वे राजू भाई के साथ मिलकर विशेष जनसंघर्ष की रणनीति तैयार करेंगे और प्रत्येक लड़ाई में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे।

बैठक के अंत में केवट-मलाह समुदाय ने एकजुट होकर अपने अधिकारों, सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित भविष्य के लिए संगठित संघर्ष का संकल्प लिया। कार्यक्रम सामाजिक समरसता, जनभागीदारी और अधिकार आधारित जनजागरण का प्रभावशाली उदाहरण बनकर सामने आया।

स्वतंत्रता दिवस पर जिला न्यायालय में होगा 'उल्लासः एक अभिनव प्रयोग' का आयोजन

देशभक्ति कार्यक्रमों के साथ चित्रकला, निबंध और रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेताओं का होगा सम्मान

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा जारी एडवाइजरी फ्रेमवर्क एवं माननीय म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में 'उल्लासः एक अभिनव प्रयोग' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा।

यह कार्यक्रम माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्योपुर बी.एल. प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होगा। आयोजन में न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण तथा जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य न्यायालयीन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना, संस्थागत अपनत्व की भावना विकसित करना, आपसी समन्वय को मजबूत करना तथा टीम भावना को सुदृढ़ करना है।

स्वतंत्रता दिवस पर माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश बी.एल. प्रजापति द्वारा ध्वजारोहण के उपरांत जिला न्यायालय परिसर में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, संगीत एवं विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं उनके बच्चों की सहभागिता से आयोजित चित्रकला, निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का यह अभिनव आयोजन न्यायालय परिवार के बीच आपसी सहयोग, सकारात्मक कार्य संस्कृति और राष्ट्रीय भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

सर्व ब्राह्मण महासंघ ने पूर्व विधायक श्रद्धेय बृजेन्द्र तिवारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

ग्वालियर। सर्व ब्राह्मण महासंघ ने ग्वालियर के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ जननेता श्रद्धेय बृजेन्द्र तिवारी के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए इसे सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति बताया है।

महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वर्गीय बृजेन्द्र तिवारी का संपूर्ण जीवन जनसेवा, सामाजिक समरसता एवं लोकहित के कार्यों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने अपने सरल, सौम्य एवं मिलनसार व्यक्तित्व से समाज के प्रत्येक वर्ग का विश्वास और सम्मान अर्जित किया। उनके निधन से ग्वालियर सहित समूचे प्रदेश ने एक अनुभवी, संवेदनशील एवं जनप्रिय नेतृत्व खो दिया है।

सर्व ब्राह्मण महासंघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

महासंघ ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कहा कि स्व. बृजेन्द्र तिवारी द्वारा समाज एवं जनहित में किए गए कार्य सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

शोक व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से रामनारायण मिश्रा, किशन मुद्गल, श्रीराम शर्मा, जगदीश शर्मा, राजेश नायक, कपिल भार्गव सहित सर्व ब्राह्मण महासंघ के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

यह जानकारी सर्व ब्राह्मण महासंघ के मीडिया प्रभारी कपिल भार्गव ने दी।

पार्षद रबीना बेगम और एल्डरमैन विवेक अग्रवाल ने उठाए नपा की कार्यप्रणाली पर सवाल, ई-फाइलिंग-ई-पेमेंट लागू करने व सड़कों के निर्माण की मांग

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी नगर पालिका परिषद की वार्ड क्रमांक 33 की पार्षद रबीना बेगम इस्माइल खान एवं नगर पालिका के एल्डरमैन (वरिष्ठ पार्षद) विवेक अग्रवाल ने शनिवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नगर पालिका की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि नगर पालिका में अभी तक ई-फाइलिंग और ई-पेमेंट व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू नहीं की गई है, जिससे फाइलें लंबित रहती हैं और भ्रष्टाचार की संभावना बनी रहती है। उन्होंने शासन की ऑनलाइन व्यवस्था को पूरी तरह लागू करने के साथ ही शहर की प्रमुख सड़कों का निर्माण कराने की मांग भी की है।

वरिष्ठ पार्षद विवेक अग्रवाल ने कहा कि सभी फाइलों का ऑनलाइन निस्तारण होने से यह स्पष्ट रहेगा कि किस अधिकारी या कर्मचारी के पास फाइल लंबित है और उसमें देरी किस स्तर पर हो रही है। इससे फाइलों को जानबूझकर रोकने और भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर अंकुश लगेगा। उन्होंने मांग की कि सभी भुगतान ऑनलाइन ई-पेमेंट प्रणाली से किए जाएं तथा ऑनलाइन ही वाउचर तैयार किए जाएं। उनका कहना है कि वर्तमान में नेफ्ट और चेक के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है, जबकि शासन की ऑनलाइन व्यवस्था का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने सीएमओ से नियमों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित कराने की मांग की।

दोनों जनप्रतिनिधियों ने शहर के विकास कार्यों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कोर्ट रोड, प्रगति बाजार सहित शहर के मुख्य मार्गों और बाजार क्षेत्र की सभी लंबित सड़कों का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की। उनका कहना है कि खराब और अधूरी सड़कों के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों और बाजार आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क निर्माण नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

दोनों जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि नगर पालिका प्रशासन जल्द से जल्द ई-गवर्नेंस व्यवस्था लागू करते हुए लंबित सड़क निर्माण कार्य पूरे कराए, ताकि आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन, आयुक्त नगरीय प्रशासन भोपाल, उपायुक्त नगरीय प्रशासन ग्वालियर तथा कलेक्टर शिवपुरी को भी भेजी गई है।

वाहन चालक श्री मोहन सोनी हुए सेवानिवृत्त, जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित हुआ विदाई समारोह...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जनसंपर्क विभाग में 39 वर्षों तक अपनी सेवायें देने वाले श्री मोहन बाबू सोनी 31 जुलाई 2026 को वाहन चालक के पद से सेवानिवृत्त हो गए। श्री मोहन बाबू सोनी ने जिला जनसंपर्क कार्यालय शिवपुरी में वाहन चालक के पद पर पदस्थ रहते हुए उत्कृष्ट सेवायें प्रदान कीं। साथ ही उनके द्वारा समय-समय पर सौंपे गए दायित्वों का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन किया गया।

सेवानिवृत्त होने पर जिला जनसंपर्क कार्यालय शिवपुरी में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जहां पर सहायक संचालक जनसंपर्क श्रीमती प्रियंका शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकारगणों ने उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ सम्मानित करते हुए उन्हें शॉल श्रीफल और स्मृतिचिन्ह भेंट किए। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकारगण एवं जनसंपर्क कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

विदाई समारोह में भारी वाहन चालक श्री मोहन बाबू सोनी ने कहा कि मेरी कोशिश रही है कि शासन की मंशानुरूप हम प्रत्येक कार्य को समय पर पूरा करें। मुझे जिस मंशा के साथ शासन ने जिम्मेदारी सौंपी है, उस पद पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया जाए, जो मैंने सच्ची निष्ठा के साथ पूरा किया।

झूठे मुकदमे में फंसाने का आरोपः

युवक ने एसपी से की निष्पक्ष जांच और CCTV फुटेज सुरक्षित करने की मांग....

शिवपुरी (निज संवाददाता)। परिवार न्यायालय परिसर में हुई कथित घटना और उसके बाद दर्ज हुई एफआईआर (FIR) के मामले में एक युवक ने पुलिस अधीक्षक (स्क्) शिवपुरी को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसकी मासूम पुत्री की अभिरक्षा (कस्टडी) विवाद को लेकर उसे सुनियोजित षड्यंत्र के तहत झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है। करैरा (शिवपुरी) निवासी पुष्पेंद्र सिंह चौहान (28 वर्ष) ने एसपी को सौंपे आवेदन में बताया कि उन्होंने अपनी नाबालिग पुत्री 'आरोही' से मिलने और उसकी अभिरक्षा प्राप्त करने के लिए परिवार न्यायालय, शिवपुरी में याचिका प्रस्तुत की थी। गत 28 जुलाई 2026 को न्यायालय में सुनवाई के दौरान जब वे बाहर निकल रहे थे, तभी शिकायतकर्ता पक्ष द्वारा हंगामा किया गया और उन पर मारपीट तथा अन्य झूठे आरोप लगाए गए। इसके आधार पर उनके खिलाफ स्ट्/स्ज्ञ एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कराया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और CCTV जांच की मांग पुष्पेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने किसी भी प्रकार की मारपीट, गाली-गलौज या जातिसूचक शब्दों का प्रयोग नहीं किया है। आवेदन में यह भी दावा किया गया है कि उनके पास एक वीडियो सीडी और व्हाट्सएप चैट के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य उपलब्ध हैं, जिससे साबित होता है कि उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा था।

पीड़ित ने मांग की है किःघटना के दिन (28.07.2026) अपराह्न 3:30 से 4:30 बजे तक परिवार न्यायालय परिसर के CCTV फुटेज और DVR को सुरक्षित कर फॉरेंसिक जांच कराई जाए।

मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्डों, वकीलों और स्वतंत्र प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जाएं।

पूरे मामले की जांच किसी वरिष्ठ एवं निष्पक्ष अधिकारी से कराई जाए।

शिवपुरी गौमाता की सेवा और संरक्षण को लेकर 1 से 2 अगस्त तक निकलेगी 'गौरक्षा संदेश पदयात्रा', राजनीति से ऊपर उठकर सभी वर्गों से जुड़ने की अपील

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शिवपुरी सनातन संस्कृति के संरक्षण और गौमाता की रक्षा के लिए आगामी 1 से 2 अगस्त 2026 को एक भव्य 'गौरक्षा संदेश पदयात्रा' का आयोजन किया जा रहा है।कोलारस विकासखंड के श्री बैकुण्ठधाम परिवार एनवारा आश्रम बदरवास के तत्वावधान में निकाली जा रही इस पदयात्रा की अध्यक्षता श्री बैकुण्ठधाम धर्मस्थल के गुरु राजेश जी महाराज कर रहे हैं। आयोजकों और गुरु महाराज ने स्पष्ट किया है कि इस पदयात्रा को किसी भी प्रकार की राजनीति से न जोड़ा जाए। यह पूरी तरह से एक गैर-राजनीतिक गौ सेवा का जागरूकता अभियान है, जिसे समाजहित और धर्महित में चलाया जा रहा है। इस महा-अभियान में किसी एक दल या वर्ग विशेष तक सीमित न रहकर, सभी दलों, तमाम संगठनों, विभिन्न जातियों, धर्मों और वर्गों के राजनीतिक व सामाजिक लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। इसका एकमात्र उद्देश्य समाज में गौ माता के प्रति श्रद्धा और संरक्षण का संदेश पहुँचाना है।

पदयात्रा का मुख्य मार्ग एवं समय-सारणी

यह पदयात्रा 1 अगस्त को आरंभ होकर विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए 2 अगस्त को शिवपुरी में संपन्न होगी

1 अगस्त 2026 (प्रारंभ)

सुबह 08:00 बजे श्री बैकुण्ठधाम आश्रम, बदरवास से पदयात्रा का भव्य शुभारंभ।

लुकवासा पदयात्रियों का यहाँ भव्य स्वागत किया जाएगा।

देहरदा, बालाजी मैरिज गार्डन (भोजन)।

कोलारस में भव्य स्वागत और रात्रि विश्राम एवं भोजन (गोपाल जी गार्डन)।कोलारस में किया जाएगा

समापन उसके अगले दिन

पडोरा पर स्वागत और

दोपहर सेसई, रईंजा वाले हनुमान मंदिर में पदयात्री का भोजन

सायं राजेश्वरी माता मंदिर, शिवपुरी पर पदयात्रा का भव्य समापन।

इस पदयात्रा में पड़ने वाले हर गांव और कस्बे में पदयात्रियों का स्वागत और गौ माता की पूजा ग्रामीण और नागरिकों द्वारा की जाएगी।

पदयात्रा के मुख्य संकल्प एवं मांगें

इस जन-जागरण अभियान के माध्यम से निम्नलिखित प्रमुख मांगें और संकल्प उठाए जा रहे हैं

गौ हत्या पर पूर्ण रोक लगाने के लिए कड़ा जन-जागृत अभियान चलाना।

गौ सेवा एवं गौ संरक्षण को जन-जन तक पहुँचाना।

गोपालन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रतिमाह निश्चित मानदेय दिए जाने की व्यवस्था हो।

सभी शासकीय गौशालाओं का सुचारू और उचित संचालन सुनिश्चित किया जाए।

समाज में गौ माता के प्रति श्रद्धा, आदर और जागरूकता का प्रसार करना।

धर्मप्रेमियों और आमजन से विशेष अपील गुरु राजेश जी महाराज एवं आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमियों, गौ भक्तों, युवाओं और मातृशक्ति से यह अपील की है कि वे राजनीति से ऊपर उठकर इस पवित्र अनुष्ठान का हिस्सा बनें। अधिक से अधिक संख्या में इस 'गौरक्षा संदेश पदयात्रा' में सम्मिलित होकर गौ सेवा और गौ संरक्षण के इस महा-संदेश को घर-घर तक पहुँचाएँ।

विशेष संपर्क सूत्रः यात्रा या सहयोग से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता हैः

9806530143, 8461084405

9584289006, 7000652942

आयोजक श्री बैकुण्ठधाम परिवार

आज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती प्राची शर्मा उपाध्याय के निर्देशन में ग्वालियर बायपास पर मोबाइल कोर्ट लगाया गया.....

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिसमें यातायात पुलिस शिवपुरी द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 34 वाहन चालकों पर 24,500 रुपये जुर्माने की कार्यवाही की गई। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात नियमों का पालन कराने के लिये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा सतत प्रयास किये जा रहे हैं, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा जिले मे थानों को वाहन चैकिंग करने एवं संदिग्ध वाहनों पर तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। यातायात नियमों को उलंघन करने बालों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिये आज ग्वालियर बायपास शिवपुरी पर मोबाइल कोर्ट लगाया गया जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों जैसे तीन सवारी, वाहन में काली फिल्म, बिना सीट बेल्ट, पदनाम लिखी हुई नंबर प्लेट, बिना नंबर वाहन, नाबालिक वाहन चालक आदि पर जुर्माने की कार्रवाई की गई है, कार्यवाही मे कुल 34 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये 24500रु. जुर्माना किया गया है।इस दौरान JMFC श्रीमती प्रत्यक्षा कुलेश, JMFC श्रीमती प्रिया शर्मा, JMFC श्री धर्मवीर राठौर, एडीपीओ श्री मयंक श्रीवास्तव, यातायात प्रभारी रणवीर यादव, कोतवाली टीआई रोहित दुबे, सूबेदार प्रियंका घोष, यातायात एवं कोतवाली का पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

रोड निर्माण कार्य में लापरवाही पर फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही की शुरू

28.46 लाख रुपए की बैंक गारंटी भी राजसात की जाएगी..

शिवपुरी, 31 जुलाई 2026/ कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री ने निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने पर एक फर्म के विरुद्ध कार्यवाही की है।

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री पुष्कल प्रताप ने बताया कि शिवपुरी-झांसी फोरलेन ह्॥-3 का पुराना शहरी भाग जिसकी लंबाई 2.40 कि.मी. है, इसके सुधार कार्य हेतु एजेंसी मेसर्स पीताम्बरा आइडियल कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. ग्वालियर के साथ अनुबंध किया गया था। ठेकेदार को निर्देश दिए जाने के बावजूद एजेंसी द्वारा कार्य में कोई सुधार नहीं किया गया।

इस लापरवाही पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशानुसार कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग शिवपुरी द्वारा संबंधित फर्म की 28.46 लाख रुपये की बैंक गारंटी को राजसात कर राशि विभाग के नाम डिमांड ड्राफ्ट के रूप में भेजने हेतु यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा ठाठीपुर, ग्वालियर को पत्र लिखा गया गया है। इसके साथ ही फर्म को ब्लैकलिस्ट करने के लिए अधीक्षण यंत्री, लोक निर्माण विभाग, ग्वालियर परिक्षेत्र को पत्र प्रेषित कर दिया गया है।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने स्पष्ट किया है कि जिले में विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ताहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समय-सीमा और गुणवत्ता का पालन न करने वाले ठेकेदार के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को दी विदाई

ग्वालियर (निज संवाददाता)। नगर निगम सेवा से आज 09 अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों को महापौर डॉ शोभा सतीश सिंह सिकरवार, नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर, नेता प्रतिपक्ष श्री हरिपाल, उपनेता विपक्ष श्री रवि तोमर ने शॉल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा कर्मचारियों के पीएफ की राशि बैंक खाते में पहुँचाई गई।

जलविहार स्थित सभा भवन में आयोजित सेवानिवृत कर्मचारियों के विदाई समारोह के अवसर पर महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने कहा कि आज निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारी स्वस्थ्य रहें, जिस प्रकार निगम की सेवा पूरे मन से की है उसी प्रकार अब पूरे मन से परिवार को समय देना।

सभापति श्री मनोज तोमर ने कहा कि सेवा निवृत हो रहे अधिकारी व कर्मचारी हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इनके अनुभव का लाभ हम निरंतर लेते रहेगें।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष श्री हरिपाल ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी।

जलविहार स्थित सभा भवन में आयोजित सेवानिवृत कर्मचारियों के विदाई समारोह आज सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में जनकार्य से श्री सुशील कटारे, कार्यषाला से श्री श्रीकांत कांटे, महापौर कार्यालय से श्री राम सुरेश सिंह सेंगर, स्वास्थ्य श्री अनिल शर्मा, सम्पत्तिकर से श्री अब्दुल गनी कुरेंषी, विद्युत से श्री सुल्तान खॉ, स्वास्थ्य से श्रीमती कस्तूरी/तोताराम एवं गार्ड श्री राकेष श्रीवास्तव आदि शामिल हैं। विदाई समारोह में निगम के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव श्री बृजेश श्रीवास्तव ने किया।

इसके साथ ही सहायक यंत्री पीएचई श्री हेमंत शर्मा का विदाई समारोह मोतीझील स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर आयोजित किया गया।

अधिकारियों के कार्य प्रभार में फेरबदल

ग्वालियर (निज संवाददाता)। कार्य सुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से अधिकारियों के कार्यों में फेरबदल किया गया है। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय द्वारा जारी आदेशानुसार श्री सुरेश अहिरवार को प्रभारी अधीक्षण यंत्री जनकार्य विभाग, श्री राजीव सिंघल को प्रभारी कार्यपालन यंत्री गौशाला, पार्क एवं चिडियाघर, श्री वेद प्रकाश निरंजन को प्रभारी कार्यपालन यंत्री जनकार्य ग्वालियर दक्षिण, श्री पवन शर्मा को प्रभारी कार्यपालन यंत्री जनकार्य ग्वालियर विधानसभा, पीआईयू शाखा, एनकैप, पीएमई बस सेवा, पीएमएवाय, श्री पुष्पेंद्र श्रीवास्तव को प्रभार कार्यपालन यंत्री जनकार्य ग्वालियर ग्रामीण एवं कार्यशाला, श्री राजू गोयल को प्रभारी कार्यपालन यंत्री जनकार्य ग्वालियर पूर्व एवं श्री शैलेन्द्र सक्सैना को प्रभारी कार्यपालन यंत्री एसबीएम एवं सीबीजी प्लांट का दायित्व सौंपा गया है।

इसके साथ ही श्री वीरेन्द्र शाक्य को भवन अधिकारी ग्रामीण विधानसभा, श्री यशवंत मैकले को भवन अधिकारी ग्वालियर पूर्व विधानसभा, श्री राजीव सोनी को भवन अधिकारी ग्वालियर दक्षिण विधानसभा एवं बृज किशोर त्यागी को भवन अधिकारी ग्वालियर विधानसभा का दायित्व सौंपा है।

साथ ही श्री सिद्धार्थ सोनी को प्रभारी सहायक यंत्री सीबीजी प्लांट, एसबीएम अपने वर्तमान कार्य के साथ साथ, श्री यशवंत मैकले को प्रभारी सहायक यंत्री चिडियाघर अपने वर्तमान कार्य के साथ साथ, श्री राजीव सोनी को प्रभारी सहायक यंत्री पीएमई बस सेवा अपने वर्तमान कार्य के साथ साथ, श्रीमती ग्रीष्मा आर्य को नोडल अधिकारी एवं प्रभारी सहायक यंत्री कार्यषाला, श्रीमती शिल्पा दिनकर को उपयंत्री कार्यषाला विभाग का दायित्व दिया गया है।

संपादकीय

इंस्टाग्राम को भारत समझने की भूल न करें: जनरेशन Z की राजनीति को समझने की जरूरत

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं चिंतक

भारतीय लोकतंत्र में चुनावी व्यवहार को समझना कभी भी आसान नहीं रहा। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने राजनीतिक विमर्श को नई दिशा अवश्य दी है, लेकिन कई बार यह भ्रम भी पैदा कर देता है कि डिजिटल दुनिया ही पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करती है। हाल के वर्षों में यह धारणा बार-बार सामने आई कि जनरेशन Z (1997 से 2012 के बीच जन्मे युवा) भारतीय जनता पार्टी से तेजी से दूर हो रही है। इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व ट्विटर) और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर दिखाई देने वाले विरोध, व्यंग्य और आलोचनाओं के आधार पर ऐसे निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या सोशल मीडिया का रुझान वास्तव में मतदान का रुझान भी होता है?

इस प्रश्न का उत्तर भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं में छिपा है। भारत की युवा पीढ़ी एक समान नहीं है। इसमें महानगरों के छात्र, छोटे शहरों के युवा, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी, तकनीकी क्षेत्र में कार्यरत पेशेवर, किसान परिवारों के बेटे-बेटियां, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थी तथा असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों युवा शामिल हैं। इन सभी की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। इसलिए कुछ हजार वायरल पोस्ट या ट्रेंडिंग हैशटैग के आधार पर पूरी पीढ़ी की राजनीतिक सोच का अनुमान लगाना उचित नहीं कहा जा सकता।

यह भी सत्य है कि आज का युवा अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण रोजगार की अनिश्चितता और महंगाई जैसी चुनौतियों ने उसके भीतर असंतोष पैदा किया है। इन मुद्दों पर युवाओं ने मुखर होकर अपनी आवाज उठाई है। NEET सहित विभिन्न परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं के विरोध ने यह स्पष्ट कर दिया कि युवा अपने भविष्य से जुड़े प्रश्नों पर समझौता करने को तैयार नहीं हैं।

लेकिन सरकार की किसी नीति का विरोध करना और चुनाव में सरकार के विरुद्ध मतदान करना दोनों अलग-अलग बातें हैं। भारतीय मतदाता अक्सर मुद्दों के आधार पर सरकार की आलोचना भी करता है और उसी सरकार को पुनः अवसर भी देता है। यही भारतीय लोकतंत्र की विशेषता है।

विभिन्न चुनावी अध्ययनों और सर्वेक्षणों से भी यह संकेत मिलता रहा है कि युवाओं का एक बड़ा वर्ग अभी भी भाजपा को शासन, नेतृत्व और विकास के प्रश्न पर अपेक्षाकृत अधिक सक्षम मानता है। अनेक सर्वेक्षणों में रोजगार, राष्ट्रीय सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और कल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में भाजपा के प्रति विश्वास दिखाई देता है, जबकि शिक्षा जैसे कुछ मुद्दों पर अन्य दलों के प्रति झुकाव भी देखा गया है। इससे स्पष्ट होता है कि युवा मतदाता किसी एक विचारधारा में बंधा हुआ नहीं है, बल्कि वह मुद्दों के आधार पर अलग-अलग राय रखता है।

आज की जनरेशन ˝ भावनात्मक राजनीति की अपेक्षा परिणाम आधारित राजनीति को अधिक महत्व देती है। यह पीढ़ी सरकार से सवाल पूछती है, सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराती है, लेकिन मतदान के समय अपने दीर्घकालिक हितों, स्थानीय परिस्थितियों, विकास कार्यों, परिवार की प्राथमिकताओं और उपलब्ध राजनीतिक विकल्पों का भी आकलन करती है। इसलिए यह संभव है कि वही युवा किसी परीक्षा घोटाले के खिलाफ प्रदर्शन करे और चुनाव में उसी दल को वोट भी दे, यदि उसे लगे कि विकल्प अपेक्षाकृत कमजोर हैं।

सोशल मीडिया की एक बड़ी सीमा यह भी है कि वह मुख्यतः शहरी, शिक्षित और डिजिटल रूप से सक्रिय वर्ग की आवाज को अधिक प्रमुखता देता है। जबकि भारत के चुनाव केवल महानगरों में नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और छोटे शहरों में भी तय होते हैं। वहां सड़क, बिजली, पानी, आवास, गैस कनेक्शन, स्वास्थ्य सेवाएं, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, कानून-व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और स्थानीय नेतृत्व जैसे मुद्दे भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं जितने राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक विमर्श।

इसी कारण किसी वायरल रील, ट्रेंडिंग हैशटैग या डिजिटल अभियान को चुनावी परिणाम का पूर्वानुमान मान लेना अक्सर भ्रामक सिद्ध होता है। भारतीय मतदाता कई बार सोशल मीडिया पर व्यक्त विचारों से अलग मतदान करता है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मतदान केंद्र पर होता है, न कि कमेंट बॉक्स में।

इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकारें युवाओं की चिंताओं की अनदेखी कर सकती हैं। यदि रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी भर्ती व्यवस्था और आर्थिक अवसरों पर अपेक्षित प्रगति नहीं हुई, तो भविष्य में राजनीतिक समीकरण बदल भी सकते हैं। युवा भारत अवसर चाहता है, केवल आश्वासन नहीं। इसलिए प्रत्येक सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोजगार और विश्वास दोनों को मजबूत करना है। जनरेशन˝ को किसी एक राजनीतिक खांचे में रखना उचित नहीं होगा। यह पीढ़ी डिजिटल है, जागरूक है, प्रश्न पूछती है और अपने अधिकारों के प्रति सजग है। लेकिन यह उतनी ही व्यावहारिक भी है। वह विरोध और समर्थन दोनों को परिस्थिति के अनुसार अलग-अलग देखती है। इसलिए भारतीय राजनीति को समझने के लिए केवल इंस्टाग्राम, एक्स या सोशल मीडिया के ट्रेंड पर्याप्त नहीं हैं। भारत का वास्तविक राजनीतिक मन आज भी गांवों, कस्बों, परिवारों, स्थानीय मुद्दों और अंततः मतदान केंद्रों में आकार लेता है। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सबक यही है कि सोशल मीडिया जनमत का एक महत्वपूर्ण संकेतक हो सकता है, लेकिन वह पूरे भारत का पर्याय नहीं है। चुनावी लोकतंत्र में अंतिम निर्णय हमेशा मतपेटी करती है, मोबाइल स्क्रीन नहीं।

पाक अधिकृत कश्मीर में बदलाव की तस्वीर

प्रमोद भार्गव

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में क्षेत्रीय विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के दौरान लगातार हालात हिंसक एवं तनावपूर्ण हुए हैं। रावलकोट और मीरपुर में हिंसा के चलते संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों ने गोली चलाकर 37 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। मानवाधिकार संगठनों ने पीओजेके के इन हालातों पर गंभीर चिंता जताई है।

गौरतलब है कि जेएएसी पिछले करीब दो माह से पीओजेके की तथाकथित विधानसभा की 12 विवादित सीटों को लेकर आंदोलन चला रही है। संगठन का आरोप है कि ये 'शरणार्थी निर्वाचन क्षेत्र' उन मतदाताओं को जरूरत से ज्यादा महत्व देते हैं, जो पीओजेके के मूल निवासी नहीं है। इनमें से ज्यादातर की वैधानिक पुष्टि भी नहीं हुई है। पाकिस्तान सरकार इन सीटों के जरिए अपनी पसंद की सरकार चुनवा कर मर्जी का प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। इसी मनमानी को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। इसके अलावा बिजली, सस्ता आटा और अन्य खाद्य सामग्री की कमी भी आक्रोश का कारण बनी हुई है। भारत ने इन इन चुनावों को पाकिस्तान के अवैध कब्जे को वैध दिखाने की कोशिश कहा है। जबकि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है।

पीओजेके में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक तीन चरणों में चुनाव होने हैं। चुनावों में कुल 45 सीटों में से 12 सीटें शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। किंतु गुलाम जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटें मंजूर नहीं हैं। इसलिए जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग जबरदस्त विरोध में उतर आए हैं। इस विरोध के चलते पहले 46 प्रदर्शनकारी और अब मतदान के दौरान 37 लोग मारे जा चुके हैं, सैंकड़ों लोग घायल हैं। पाक आर्मी और पुलिस के इस दमन एवं नरसंहार से आंदोलनकारियों का गुस्सा और भड़क गया है। इस नाराजगी को दबाने के लिए पुंछ, मीरपुर एवं मुजफ्फराबाद में बड़ी संख्या में अतिरिक्त अर्धसैनिक बल तैनात कर दिए हैं। दरअसल लोगों का गुस्सा इसलिए फूट रहा है क्योंकि ये चुनाव अंतरराष्ट्रीय समुदाय एवं मानवाधिकार आयोग को यह दिखाने के लिए कराए जा रहे हैं कि पाकिस्तान लोकतंत्र का पैरोकार है। लेकिन यह पूरा नाटक फरेब की नौटंकी के अलावा कुछ नहीं है। भारत भी इस चुनाव के विरोध में है।

इस विरोध का प्रमुख कारण पीओजेके में विधानसभा की 45 निर्वाचित सीटों में से 12 सीटों का शरणार्थियों के लिए आरक्षित करना है। जेएएसी का आरोप है कि इन सीटों के कारण स्थानीय लोगों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है। संगठन लंबे समय से इन सीटों को समाप्त करने की मांग कर रहा है। चुनाव के ठीक पहले यह मुद्दा राजनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील बन गया है। इस मुद्दे के साथ-साथ आमजन बढ़ती महंगाई, गेहूं और आटे की उपलब्धता में कमी, बिजली दरों में वृद्धि, बेरोजगारी तथा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारों की मांग को भी आगे बढ़ा रहा है।

दरअसल शरणार्थियों के लिए सीटें आरक्षित करने का मतलब स्थानीय लोगों को जनप्रतिनिधित्व से बहिष्कृत करने का संवैधानिक उपाय पाकिस्तान ने मान लिया है। अतएव ये चुनावी फरेब पीओजेके पर अवैध कब्जे को वैध ठहराने का उपाय भर है। पाकिस्तान इस चुनाव के जरिए यह जताने का उपक्रम कर लेता है कि वह लोकतंत्र का पक्षधर होने के साथ भू-राजनीतिक शक्ति भी है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत को इस चुनावी हथकंडे को राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के परिदृश्य में इसे एक बड़े मुद्दे के रूप में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष पेश करने के साथ हस्तक्षेप की मांग करने की जरूरत है।

हालांकि पीओके में हुई हिंसा को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाक पर करारा हमला बोला है। कहा है कि पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए उत्तरदायी ठहराना चाहिए। पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं को छुपाने और मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए झूठी खबरों और फर्जी वीडियो का सहारा ले रहा है। जबकि पीओजेके में आर्मी और पुलिस ने बर्बर कार्रवाही की है। हम उम्मीद करते है कि विश्व समुदाय पाक के इन कृत्यों के लिए उसे जवाबदेह ठहराएगा। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के गलियारों से ऐसी खबर आई है, जिसने आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक कूटनीति के दोहरे मानदंडों को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान और चीन की साझा और बेहद महत्वाकांक्षी कोशिश को अमेरिका ने पूरी तरह से असफल कर दिया। इन दोनों देशों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसके आत्मघाती दस्ते 'मजीद ब्रिगेड' को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिस पर अमेरिका ने फ्रांस और ब्रिटेन के साथ मिलकर वीटो लगा दिया है। दिलचस्प बात है कि खुद अमेरिका ने 2019 में बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अपनी घरेलू फॉरेन टेररिस्ट आर्गेनाइजेशन सूची में शामिल किया था। बावजूद वैश्विक मंच पर चीन और पाकिस्तान के इस साझा प्रस्ताव को अमेरिका और उसके पष्चिमी सहयोगियों द्वारा रोका जाना बड़ा कूटनीतिक संदेश है।

यह वही चीन है, जिसने अतीत में भारत और अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकियों को वैश्विक प्रतिबंधित आतंकवादी सूची में डालने से जुड़े कई प्रस्तावों पर वीटों लगा दिया था। सुरक्षा परिषद् का यह घटनाक्रम संकेत देता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सरहदों पर ही नहीं बल्कि बंद कमरों में भी कुटिल कूटनीति के लिए लड़ी जाती है।

पीओजेके में वर्तमान नरसंहार को लेकर ब्रिटेन के 50 सांसदों ने भी अंतरराष्ट्रीय समुदायों के समक्ष चिंता जताई है। भारत को पीओजेके में उभरे इस आंतरिक संकट और नरसंहार से सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि धूर्त पाकिस्तान इस ओट में अपनी पुरानी और नापाक चालें चलते हुए प्रशिक्षित आतंकियों की भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने की चाल चल सकता है। हालांकि भारतीय खुफिया एजेंसी आईबी ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई इस अराजकता और खून-खराबे की आड़ में नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ कराकर जम्मू-कश्मीर तथा भारत के अन्य नगरों में हिंसा व अशांति फैलाने की दृष्टि से आत्मघाती हमले करा सकती है। हालांकि भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं।

इधर, पीओजेके में आमजनों पर सुरक्षा बलों की बर्बरता को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उचित ठहराया है। उन्होंने अधिकारों और पहचान दिए जाने की मांग कर रहे कश्मीरियों को भारत जैसा दुश्मन करार दिया है। आसिफ के इस बयान को इस तथ्य की स्वीकार्यता माना जा रहा है कि गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग भारतीय जम्मू-कश्मीर की भूमि का हिस्सा हैं। हकीकत भी यही है। पीओजेके की परिधि में आने वाले गिलगित-बाल्टिस्तान वास्तव में भारत के जम्मू-कश्मीर राज्य के हिस्सा हैं। बावजूद पाकिस्तान के नाजायज कब्जे में हैं। लेकिन यहां के नागरिकों ने इस बलात कब्जे को कभी नहीं स्वीकारा। यहां तभी से राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं और पाक सरकार इन लोगों पर दमन और अत्याचार का सिलसिला जारी रखे हुए है।साफ है, पाक की आजादी के साथ गिलगिट-बाल्टिस्तान का मुद्दा जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान की कुल भूमि का 40 फीसदी हिस्सा यहीं है लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्ताल भी कहा जाता है। पाक और बलूचिस्तान के बीच संघर्ष 1945, 1958, 1962-63, 1973-77 में होता रहा है। 1977 में पाकिस्तान द्वारा दमन के बाद करीब 2 दशक तक यहां शांति रही। लेकिन 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर अवैध कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आए, इनमें प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है।

यहां की विधानसभा को अपने बूते कोई कानून बनाने का अधिकार नहीं है। सारे फैसले एक परिषद लेती है, जिसके अध्यक्ष पाकिस्तान के पदेन प्रधानमंत्री होते हैं। लिहाजा चुनाव के बावजूद यहां विद्रोह की आग सुलगी रहती है। यह आग उन सब इलाकों में सुलगी रहती है, जो शिया बहुल हैं। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में शिया और अहमदिया मुस्लिमों समेत सभी धार्मिक अल्पसंख्यक प्रताड़ित किए जा रहे हैं। अहमदिया मुस्लिमों के साथ तो पाकिस्तान के मुस्लिम समाज और हुकूमत ने भी ज्यादती बरती है। 1947 में उन्हें गैर मुस्लिम घोषित कर दिया गया था। तब से वे न केवल बेगाने हैं बल्कि हिंदू, सिख व ईसाइयों की तरह मजहबी चरमपंथियों के निशाने पर भी रहते हैं।

इस क्षेत्र में चीन बड़ा निवेश कर रहा है। ग्वादर में एक बड़ा बंदरगाह बनाया है। चीन की एक और बड़ी योजना है, 'चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर' जिसकी लागत 3 लाख 51 हजार करोड़ है। यह गलियारा गिलगिट-बाल्टिस्तान से गुजर रहा है। इस गलियारे के निर्माण में लगे चीनी नागरिकों की आतंकी संगठन बीएलए हत्या कर रहा है। चूंकि यह क्षेत्र अधिकारिक रूप से भारत का है इसलिए भारत भी इस परियोजना का लगातार विरोध कर रहा है। पाकिस्तान रणनीतिक रूप से गिलगित-बाल्टिस्तान को पांचवां प्रांत बना लेने की फिराक में है। चूंकि यह क्षेत्र आधिकारिक रूप से भारत के जम्मू-कश्मीर प्रांत का हिस्सा है इसलिए यहां कोई भी बदलाव कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन होगा।

अतएव इन क्षेत्रों को पाकिस्तान के कब्जे से मुक्त करना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति होना चाहिए। क्योंकि भारत के पास अपनी स्थिति को मजबूती से रखने के लिए राजनीतिक कानूनी और संवैधानिक आधार मौजूद हैं। पाकिस्तान यहां सुन्नी मुसलमानों की संख्या बढ़ाकर इस पूरे क्षेत्र का जनसंख्यात्मक घनत्व बदलने के प्रयास में भी लगा है। इन कारणों से यहां के मूल बलूचों की पाकिस्तान के प्रति जबरदस्त नाराजी है और वे निर्णायक लड़ाई लड़के भारत में विलय होने की कोशिश में हैं।

असहमति तर्कों से हो, उपहास से नहीं

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

संसद की गरिमा भी तीखी आलोचना से अधिक इस बात से बढ़ती है कि आलोचना कितनी तथ्यपरक और मर्यादित रही। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व सरकार से कठिन प्रश्न पूछना है। वह पूछे; इससे कौन उसे रोक रहा है। सरकारी समितियों की संरचना पर सवाल उठाना भी उसका अधिकार है, पर यदि किसी सदस्य की योग्यता या विचारों पर आपत्ति है तो उसे तथ्यों के आधार पर चुनौती दी जानी चाहिए न कि उपहास उड़ाकर !

लोकतंत्र में विचारों पर सहमति-असहमति जितनी आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक है भाषा की मर्यादा। संसद में उठने वाली हर आवाज देश के लोकतांत्रिक संस्कारों का परिचय देती है। जब किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद के विचारों का उत्तर तथ्यों के बजाय व्यंग्य और उपहास से दिया जाता है, तब प्रश्न प्रश्न उठना स्वभाविक है, यह प्रश्न बौद्धिक विमर्श की गुणवत्ता का है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा लोकसभा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि को 'गोमूत्र विशेषज्ञ' कहकर संबोधित किए जाने के बाद देशभर के 215 वर्तमान एवं पूर्व कुलपतियों तथा शिक्षाविदों का खुला पत्र इसी व्यापक चिंता को व्यक्त करता है। यह पत्र किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध में नहीं लिखा गया है। वस्तुतः इसका मूल आग्रह यह है कि लोकतांत्रिक असहमति का आधार तर्क, प्रमाण और शिष्ट भाषा होनी चाहिए।

संसद की गरिमा भी तीखी आलोचना से अधिक इस बात से बढ़ती है कि आलोचना कितनी तथ्यपरक और मर्यादित रही। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व सरकार से कठिन प्रश्न पूछना है। वह पूछे; इससे कौन उसे रोक रहा है। सरकारी समितियों की संरचना पर सवाल उठाना भी उसका अधिकार है, पर यदि किसी सदस्य की योग्यता या विचारों पर आपत्ति है तो उसे तथ्यों के आधार पर चुनौती दी जानी चाहिए न कि उपहास उड़ाकर !

प्रोफेसर वी. कामकोटि का नाम पिछले वर्ष तब चर्चा में आया था, जब उन्होंने गोमूत्र के कुछ संभावित औषधीय गुणों का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिक अध्ययनों का हवाला दिया। उनके इन दावों का व्यापक विरोध भी हुआ और समर्थन भी। स्वयं प्रोफेसर कामकोटि ने अपने पक्ष में प्रकाशित शोधपत्रों और वैज्ञानिक अध्ययनों का उल्लेख किया। इनमें 2021 में प्रकाशित एक शोध में गोमूत्र के कुछ पेप्टाइड्स की एंटीमाइक्रोबियल गतिविधि का उल्लेख किया गया था। साथ ही उसी अध्ययन में यह भी स्पष्ट कहा गया कि अन्य संभावित जैविक प्रभावों की पुष्टि के लिए व्यापक और अतिरिक्त अनुसंधान आवश्यक हैं। यही विज्ञान की कार्यप्रणाली है।

किसी निष्कर्ष को अंतिम सत्य मानने से पहले उसे लगातार परखा जाता है और नए प्रमाणों के आधार पर स्वीकार या अस्वीकार किया जाता है। यही कारण है कि विज्ञान में किसी विचार का उत्तर व्यंग्य न होकर शोध, शोध और शोध होता है, अनेक बार तो प्राप्त परिणामों को तब तक संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, जब तक कि पूरी तरह से वैज्ञानिक आधार पर संतुष्ट नहीं हो जाते हैं, इसलिए यदि कोई दावा गलत भी है तो उसे प्रयोगशाला, शोधपत्र और वैज्ञानिक परीक्षण के माध्यम से गलत सिद्ध किया जाता है और यदि उसमें कुछ संभावना मौजूद है तो उसे और अधिक कठोर परीक्षणों से गुजारा जाता है।

आज अनेक साक्ष्य इस बात के भी मौजूद हैं कि समय की धार पर अनेक वैज्ञानिक अवधारणाएं प्रारंभ में अस्वीकार्य मानी गईं, लेकिन बाद में प्रमाणों के आधार पर स्वीकार की गईं। वहीं अनेक लोकप्रिय मान्यताएं समय के साथ वैज्ञानिक परीक्षणों में गलत भी साबित हुईं। इसलिए विज्ञान में न तो अंधस्वीकृति का स्थान है और न ही पूर्वाग्रहपूर्ण अस्वीकृति का। हर विचार की कसौटी प्रमाण होते हैं। वस्तुतः वैज्ञानिक समुदाय की यही परंपरा मानव सभ्यता की प्रगति का आधार भी रही है।

कहना होगा कि यह सिद्धांत राजनीति पर भी समान रूप से लागू होता है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र में स्वीकार्य हैं, किंतु व्यक्तिगत उपहास लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता को कम करता है। संसद में प्रयुक्त शब्द देश की सार्वजनिक संस्कृति को प्रभावित करते हैं, इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों पर समान रूप से यह दायित्व है कि वे आलोचना को गरिमा और तथ्यों की सीमाओं के भीतर रखें।

आज सांसद प्रियंका गांधी को लिखा गया 215 कुलपतियों और शिक्षाविदों का पत्र इसी सिद्धांत की याद दिलाता है। उनका कहना है कि किसी विद्वान के विचारों से असहमत हुआ जा सकता है, किंतु उसके संपूर्ण शैक्षणिक योगदान को एक राजनीतिक विशेषण तक सीमित कर देना स्वस्थ बौद्धिक संस्कृति के अनुरूप नहीं है। यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्वविद्यालय और शोध संस्थान स्वतंत्र चिंतन के केंद्र होते हैं। यदि वहां कार्यरत विद्वानों को सार्वजनिक विमर्श में तर्कों के बजाय उपहास का सामना करना पड़े, तो इसका प्रतिकूल संदेश पूरे शैक्षणिक समुदाय तक जाता है।

इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा संदेश यही है कि लोकतंत्र और विज्ञान, दोनों की शक्ति संवाद में निहित है। संवाद तब सार्थक बनता है, जब उसमें तर्क हों, प्रमाण हों और मर्यादा हो। यह सच है कि किसी भी विचार को स्वीकार करने या खारिज करने का अधिकार सभी को है, किंतु साथ में एक सच यह भी है कि किसी व्यक्ति की विद्वत्ता का मूल्यांकन उसके शोध, उसके तर्क और उसके योगदान से होना चाहिए, किसी राजनीतिक विशेषण से कदापि नहीं।

अतः इस संदर्भ में अच्छा हो कि सांसद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी भूल सुधारें, देश के वैज्ञानिक समुदाय से खासकर जिनके बारे में उन्होंने संसद में अनुचित बोला है, उनसे माफी मांग लें। वैसे भी भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता भी इसी में है कि संसद में विचारों का विमर्श तीखा हो सकता है, पर भाषा संयमित रहना चाहिए। याद रहे, असहमति लोकतंत्र को मजबूत करती है, जबकि उपहास विमर्श को कमजोर करता है। यदि हम स्वस्थ लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक संस्कृति का निर्माण करना चाहते हैं, तो विचारों का उत्तर विचारों से और तर्कों का उत्तर तर्कों से देना ही सबसे उपयुक्त मार्ग है। उम्मीद करेंगे कि कांग्रेस की सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा इस बात की गंभीरता को समझेंगी।

शिवराज सिंह से मिले विष्णुदेव साय, बस्तर के विकास को नई रफ्तार देने की तैयारी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। बस्तर जैसे दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार की ओर से सकारात्मक रूख दिखाते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है। शुक्रवार को कृषि भवन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह से मुलाकात की। इस बैठक में बस्तर क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी मजबूत करने पर सकारात्मक रूप से चर्चा हुई।

बैठक में मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में संशोधन कर अरुणाचल प्रदेश की तर्ज पर 10 किलोमीटर की परिधि को एक क्लस्टर मानने का प्रस्ताव रखा। वर्तमान व्यवस्था में 500 मीटर की सीमा के कारण बस्तर के कई छोटे और बिखरे गांव सड़क सुविधा से वंचित रह जाते हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है और राज्य के सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेहतर सड़क संपर्क शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। बैठक में राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने भी प्रदेश में चल रहे ग्रामीण विकास कार्यों और योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की सराहना करते हुए विकसित भारत- जी राम जी योजना के तहत मुक्तिधाम और शौचालय निर्माण को प्रभावी बताया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिदिन लगभग 1,500 आवासों का निर्माण राज्य की उल्लेखनीय उपलब्धि है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों को और गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक बदलाव को मजबूती मिलेगी। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डोंगरगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के 26 और नेताओं ने प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया

रायपुर, 31 जुलाई (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में भारतीय जनता पार्टी में हाल ही में 111 पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सामूहिक इस्तीफे के बाद, अब 26 और नेताओं ने प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कार्यकर्ताओं ने अपना सामूहिक इस्तीफा भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत को भेजा है।

इस्तीफा देने वालों में पूर्व भाजयुमो मंडल अध्यक्ष सुमित मिश्रा, पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष एम. तुलसी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री बलविंदर सिंह भाटिया सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हैं। सभी ने जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत को संबोधित इस्तीफा पत्र भेजकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने की जानकारी दी है।

इस्तीफा देने वाले नेताओं ने अपने पत्र में शहर मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बन्नोट पर परिवारवाद, गुटबाजी और पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा करने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि संगठन में निर्णय कुछ चुनिंदा लोगों के प्रभाव में लिए जा रहे हैं। इससे लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ी है।

भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने कहा था कि उन्हें किसी भी प्रकार का इस्तीफा प्राप्त नहीं हुआ है। वहीं इस्तीफा देने वाले नेताओं का दावा है कि यह छत्तीसगढ़ में भाजपा के इतिहास का सबसे बड़ा सामूहिक इस्तीफा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इस घटनाक्रम की जानकारी सामने आ चुकी है, तो जिला संगठन को इसकी जानकारी कैसे नहीं मिली।

डोंगरगढ़ में भाजपा के जमीनी कार्यकर्ता अनिल पांडेय के बाद नगर पालिका पार्षद अमित छाबड़ा ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

पुरानी कृषि उपज मंडी परिसर में बनेगा एग्रोमाल, श्याम-तराई में विकसित होगी हाईटेक थोक सब्जी मंडी

धमतरी, 31 जुलाई (हि.स.)। जिले की कृषि विपणन व्यवस्था को आधुनिक और अधिक व्यवस्थित बनाने की दिशा में पहल करते हुए नवीन कृषि उपज मंडी श्यामतराई में आज पुरानी कृषि उपज मंडी परिसर में प्रस्तावित एग्रोमाल की स्थापना तथा नवीन मंडी परिसर में हाईटेक थोक सब्जी मंडी विकसित करने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि दवा, कृषि उपकरण, ट्रैक्टर एवं अन्य थोक व्यापारियों के साथ चेम्बर ऑफ कॉमर्स धमतरी के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपने सुझाव दिए।

बैठक में नगर पालिका परिषद धमतरी के आयुक्त अरुण कुमार वर्मा, उपसंचालक कृषि मोनेश कुमार साहू, मंडी बोर्ड रायपुर के कार्यपालन अभियंता दिलीप निगम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। चर्चा के दौरान प्रस्तावित एग्रोमॉल में थोक व्यापारियों के लिए दुकानों के आकार, सुव्यवस्थित पार्किंग, आवश्यक अधोसंरचना, यातायात की सुगमता तथा व्यापारिक गतिविधियों के अनुरूप सुविधाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

वहीं, श्यामतराई स्थित नवीन कृषि उपज मंडी में प्रस्तावित हाईटेक थोक सब्जी मंडी की रूपरेखा, आधुनिक सुविधाएं, भंडारण व्यवस्था, लोडिंग-अनलोडिंग और विपणन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने पर भी मंथन हुआ। बैठक में व्यापारिक संगठनों एवं प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को योजनाओं के अंतिम स्वरूप में शामिल करने पर सहमति बनी।

अधिकारियों ने विश्वास जताया कि एग्रोमाल और हाईटेक थोक सब्जी मंडी के विकसित होने से जिले की कृषि विपणन व्यवस्था मजबूत होगी, व्यापारियों को आधुनिक और सुव्यवस्थित व्यावसायिक वातावरण मिलेगा तथा किसानों को अपनी उपज के बेहतर विपणन की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे धमतरी जिले में कृषि आधारित व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

धौलपुर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में सघन पैदल गश्त अपराध रोकथाम और आमजन में सुरक्षा विश्वास बढ़ाने का अभियान

धौलपुर (निज सवांददाता)। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में धौलपुर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में प्रतिदिन नियमित रूप से सघन पैदल गश्त की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को मजबूत करना तथा अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों में पुलिस की प्रभावी उपस्थिति और कानून का भय स्थापित करना है। पैदल गश्त के दौरान थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमें अपने अपने क्षेत्र के प्रमुख बाजारों भीड़भाड़ वाले स्थानों बस स्टैंड रेलवे स्टेशन धार्मिक स्थलों संवेदनशील क्षेत्रों स्कूल कॉलेजों के आसपास एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगातार भ्रमण कर रही हैं। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। गश्त के दौरान पुलिसकर्मी आमजन व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को भी सुन रहे हैं। लोगों को कानून व्यवस्था बनाए रखने किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन की जानकारी भी दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि धौलपुर पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं बल्कि अपराधों की रोकथाम एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना भी है। नियमित पैदल गश्त से पुलिस की सतत उपस्थिति बनी रहती है, जिससे असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगता है और आमजन स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं। धौलपुर पुलिस आमजन से अपील करती है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति गतिविधि अथवा अपराध संबंधी सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर 9530411842 - 9530411843 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।धौलपुर पुलिस का संकल्प है सुरक्षित समाज सशक्त नागरिक और अपराध मुक्त धौलपुर।

धौलपुर पुलिस का विशेष जागरूकता अभियानः स्कूल-कॉलेज में महिलाओं बालिकाओं को कानून साइबर सुरक्षा और आत्मरक्षा की दी गई व्यापक जानकारी

धौलपुर (निज संवाददाता)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा विभिन्न प्रकार के अपराधों की प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में संचालित विशेष अभियान के अंतर्गत धौलपुर जिले में भी व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं अपराध निरोधात्मक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमों द्वारा विद्यालयों महाविद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है अभियान के दौरान छात्राओं एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों हेल्पलाइन सेवाओं साइबर अपराधों से बचाव सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग आत्मरक्षा के उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ उत्पीड़न साइबर ठगी अथवा अन्य अपराध की स्थिति में बिना संकोच तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों द्वारा छात्र छात्राओं से संवाद स्थापित कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों बाल अपराधों की रोकथाम यातायात नियमों के पालन तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें कानून के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक श्री विकास सांगवान ने बताया कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में जन जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विशेष रूप से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों सुरक्षा उपायों तथा पुलिस सहायता तंत्र की जानकारी देकर उन्हें आत्मविश्वासी एवं सशक्त बनाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।धौलपुर पुलिस का यह अभियान आगामी दिनों में भी लगातार जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक महिलाओं बालिकाओं एवं युवाओं तक सुरक्षा कानून एवं अपराध से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाई जा सके तथा समाज में सुरक्षा विश्वास और कानून के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

जिला हज कमेटी धौलपुर हाजी अजमेरी उस्मानी ने चयनित हाजियों को मुबारकबाद दी

राजस्थान के सभी 5919 हज आवेदक चयनित धौलपुर के 28 शामिल, 10 अगस्त तक 1,52,300 रुपये जमा अनिवार्य

धौलपुर । हज यात्रा 2027 के लिये राजस्थान के हज आवेदकों के लिये बडी खुशखबरी है। हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई द्वारा गुरुवार 30/07/2026 को सुबह 11 बजे आयोजित हज कुरा लाटरी में राजस्थान के सभी 5919 हज आवेदकों का चयन हो गया है। चयन सूची में धौलपुर सहित प्रदेश भर के सभी पात्र आवेदकों को स्थान मिला है। जिससे हज यात्रियों एवं उनके परिवार जनों में खुशी का माहौल है। धौलपुर जिला हज कमेटी के अध्यक्ष हाजी अजमेरी उस्मानी ने बताया की इस बार राजस्थान के सभी 5919 हज आवेदकों का चयन हो चुका है। जिसमें धौलपुर जिले के 28 हज यात्री शामिल है जो हज के लिये जायेंगे। चयनित आवेदकों को आगामी 10/08/26 तक 152300 की प्रथम किश्त अनिवार्य रूप से जमा करानी होगी। निर्धारित समयसीमा में राशि जमा होने के बाद ही हज यात्रा की आगामी और फाइनल प्रक्रिया पूरी की जावेगी। लाटरी खुलते ही हज कमेटी के अध्यक्ष हाजी अजमेरी उस्मानी और सभी पदाधिकारियों ने चयनित हाजियों को मुबारकबाद दी। अगर किसी हाजी को किसी प्रकार की मदद चाहिए तो इस न. 9368424944 पर कॉल करके जानकारी ले सकता है।अल्लाह सभी हाजियों की हज मकबूल फरमाए।

आगरा के हिंदी विभाग द्वारा आज मुंशी प्रेमचंद जयंती के सुअवसर पर साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया

आगरा (निज संवाददाता)। श्रीमती बी डी जैन कन्या महाविद्यालय , आगरा के हिंदी विभाग द्वारा आज मुंशी प्रेमचंद जयंती के सुअवसर पर साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. नेहा विश्वकर्मा ने गोष्ठी पर प्रकाश डालते हुए औपचारिक शुरुआत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्या एवं संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मीरा अग्रवाल द्वारा की गई। इसमें महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. किरण सिंह की भी गरिमामय उपस्थिति रही। प्रेमचंद के साहित्य में अभिव्यक्त विविध आयामों से छात्राओं को परिचित कराया। अतिथियों द्वारा प्रेमचंद के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. शिखा श्रीधर द्वारा प्रेमचंद के साहित्य के संवेदनात्मक पक्षो पर बातचीत की गई। रेशमा,काजल, खुशी, सुरभि आदि छात्राओं ने प्रेमचंद के कहानियों एवं उपन्यासों के सम्बन्ध में अपने विचार प्रस्तुत किये। डॉ. अर्चना सिंह ने 'बूढ़ी काकी' कहानी के माध्यम से वृद्धावस्था के सामाजिक उपेक्षाओं से छात्राओं को परिचित कराया। प्रेमचंद के साहित्यिक अवदानों पर विचार रखते हुए डॉ. अंकिता तिवारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. नेहा विश्वकर्मा ने किया।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनीष बंसल जी ने ईवीएम-वीवीपेट वेयर हाउस का किया मासिक निरीक्षण

ईवीएम मशीनों की सुरक्षा, सीसीटीवी से होने वाली निगरानी, रिकॉर्ड्स के रखरखाव और वेयरहाउस की पूरी व्यवस्था का गहनता से लिया जायजा

आगरा (निज संवाददाता)। आज जिलाधिकारी /जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनीष बंसल जी ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक, तहसील सदर में बने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। उन्होंने ईवीएम मशीनों की सुरक्षा, सीसीटीवी से होने वाली निगरानी, रिकॉर्ड्स के रखरखाव और वेयरहाउस की पूरी व्यवस्था का गहनता से निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने ईवीएम- वीवीपैट वेयर हाउस के मासिक निरीक्षण में वेयर हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन यंत्रों, अलार्म सिस्टम और अन्य सुरक्षा उपकरणों के संचालन की गहनता से अवलोकन,जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा उपकरण क्रियाशील रखें और सुरक्षा मानकों का नियमित रूप से परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी नगर श्री यमुनाधर चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हेमंत कुमार,सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी नरसिंह, व संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने समान नागरिक संहिता पर व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

विभिन्न विभागों के साथ की समीक्षा बैठक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

धौलपुर (निज सवांददाता)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में विभिन्न विभागों के साथ परामर्श बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समान नागरिक संहिता के संबंध में अधिकतम संख्या में सुझाव एवं राय प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप क्यूआर कोड एसएमएस सहित सभी उपलब्ध माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिला एवं विभागीय अधिकारी जनजागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सुनिश्चित करें ताकि व्यापक जनसहभागिता के साथ सुझाव प्राप्त किए जा सकें। यूसीसी पर करीब 68 हजार सुझाव प्राप्त बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर सावंत ने समान नागरिक संहिता के संबंध में प्राप्त सुझावों की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक विभिन्न माध्यमों से लगभग 68 हजार सुझाव प्राप्त हो चुके हैं तथा प्रतिदिन बड़ी संख्या में नए सुझाव प्राप्त हो रहे हैं। योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लंबित प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा इसके उपरांत मुख्य सचिव ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ग्रामीण विकास विभाग नगरीय विकास विभाग स्वायत्त शासन विभाग पंचायती राज विभाग सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में इन विभागों की प्रमुख योजनाओं की प्रगति तथा लंबित प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यकतानुसार समय पर वित्तीय आवंटन कार्मिकों की नियुक्ति एवं निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित नहीं रहे मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिशा-निर्देशों के अनुसार कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से पेयजल विद्युत सड़क स्वच्छता एवं स्ट्रीट लाइट जैसी आधारभूत सुविधाओं से संबंधित योजनाओं पर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए ताकि आमजन को अधिकतम राहत मिल सके और सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। बैठक में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

रेलवे स्टेशन आगरा कैण्ट से मोबाइल चोरी करने वाले 01 अभियुक्त को थाना जीआरपी आगरा कैण्ट पुलिस टीम द्वारा किया गया गिरफ्तार, अभियुक्त के कब्जे से चोरी का 01 मोबाइल बरामद

आगरा (निज संवाददाता)। श्रीमान पुलिस महानिदेशक रेलवे लखनऊ उ0प्र0 महोदय के आदेशानुसार, श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज के पर्यवेक्षण में, श्रीमान पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग आगरा के कुशल निर्देशन में एवं श्रीमान पुलिस उपाधीक्षक रेलवे आगरा के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 31.07.2026 को प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी आगरा कैण्ट के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा गश्त व चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान रेलवे स्टेशन आगरा कैण्ट से मोबाइल चोरी करने वाले 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी का 01 अदद मोबाइल बरामद हुआ।

अभियुक्त का नाम व पता

कोमल पुत्र रमेश, निवासी गली नं0-13, गर्ग कॉलोनी सैपऊ, थाना सैपऊ, जनपद धौलपुर, राजस्थान, उम्र 26 वर्ष।

अनावरण अभियोग

1.मु0अ0सं0 154/2026, धारा 305(2)/317(2) बी.एन.एस. थाना जीआरपी आगरा कैण्ट

बरामदगी

01 अदद मोबाइल चोरी का ।

पुलिस टीम

1.प्रभारी निरीक्षक श्री संदीप तोमर थाना जीआरपी आगरा कैण्ट।

2.उप निरीक्षक सुशील कुमार थाना जीआरपी आगरा कैण्ट

3.का0 मनेन्द्र कुमार थाना जीआरपी आगरा कैण्ट

4.का0 लवकुश थाना जीआरपी आगरा कैण्ट

5.है0का0 धर्मेन्द्र आरपीएफ पोस्ट आगरा कैण्ट

6.का0 पुष्पेन्द्र आरपीएफ पोस्ट आगरा कैण्ट

धौलपुर थाना कोतवाली पुलिस ने नाबालिग अपहरण बलात्कार के 10 हजार के इनामी आरोपी शेर सिंह को किया गिरफ्तार पूछताछ जारी

धौलपुर (निज सवांददाता)। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान आईपीएस द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धौलपुर वैभव शर्मा आरपीएस कृष्णराज जांगिड़ आरपीएस वृत्ताधिकारी वृत्त धौलपुर के निकटतम सुपरविजन में रामकिशन यादव पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना कोतवाली धौलपुर मय टीम द्वारा नाबालिक बच्ची के अपहरण एव बलात्कार के मामले में थाना पर दर्ज मुकदमा धारा बीएनएस व पोक्सो एक्ट में फरार 10 हजार का इनामी मुल्जिम शेरसिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना कोतवाली धौलपुर इलाके से एक नाबालिक बच्ची का शेरसिंह द्वारा अपहरण कर ले जाने के सम्बध में थाना पर प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण में नाबालिक पीड़िता को थाना कोतवाली धौलपुर की टीम द्वारा मुम्बई महाराष्ट्र से दस्तयाब किया गया था। प्रकरण की पीड़िता का अपहरण व बलात्कार करने का आरोपी मुल्जिम शेरसिंह जाटव पुत्र रामबरन सिंह जाटव जाति जाटव उम्र 25 साल निवासी वार्ड 47 काशी बाबा कॉलोनी मुरैना थाना सिविल लाइन मुरैना जिला मुरैना मध्यप्रदेश घटना के बाद से फरार चल रहा था। 10 हजार का इनामी मुल्जिम शेरसिंह को दिनांक 31 जुलाई 2026 को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। मुल्जिम से पूछताछ जारी है।

सरमथुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई रोहित उर्फ मोनू गिरफ्तार, 2 देशी कट्टे, 10 कारतूस और जयपुर से चोरी की 2 बाइक बरामद

धौलपुर (निज सवांददाता)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सरमथुरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित उर्फ मोनू पुत्र सुरेश धोबी तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो अवैध देशी कट्टे (315 बोर) 10 जिंदा कारतूस मोटरसाइकिलों के लॉक तोड़ने में प्रयुक्त दो मास्टर चाबियां तथा जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र से चोरी की गई दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी रोहित उर्फ मोनू के विरुद्ध कौलारी मनियां महंदीपुर बालाजी शिप्रापथ मानसरोवर और सांगानेर सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी हत्या के प्रयास, अवैध हथियार रखने समेत आधा दर्जन से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

हर शुक्रवार होगा 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान', योजनाओं से वंचित लोगों तक पहुंचेगा प्रशासन

कलेक्टर शीला दाहिमा ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश– फील्ड में बढ़ाएं मौजूदगी, सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई के लंबित मामलों का करें समयबद्ध निराकरण

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। शासन की जनकल्याणकारी का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और प्रशासन व आमजन के बीच विश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से जिले में 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' का शुभारंभ 7 अगस्त से किया जाएगा। अभियान के तहत हर शुक्रवार जिले में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होंगे और यह विशेष अभियान 8 जनवरी 2027 तक लगातार संचालित रहेगा।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर शीला दाहिमा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि नियमित रूप से गांवों और मैदानी क्षेत्रों का भ्रमण कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करें। उन्होंने कहा कि मैदानी अमले की आमजन तक पहुंच बढ़ाना और समस्याओं का मौके पर समाधान करना अभियान की प्राथमिकता होगी।

बैठक में डीएफओ के.एस. रंधा, सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एसडीएम गगन सिंह मीणा, एसडीएम कराहल बी.एस. श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

क्लस्टर स्तर पर होंगे जनसंवाद कार्यक्रम कलेक्टर ने बताया कि अभियान के अंतर्गत क्लस्टर स्तर पर जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों और हितग्राहियों को एक ही स्थान पर विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके। ऐसे पात्र व्यक्ति, जो किसी कारणवश अब तक सरकारी योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें चिन्हित कर मौके पर ही सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। एक सप्ताह में होगा आवेदनों का निराकरण

उन्होंने निर्देश दिए कि जनसंवाद कार्यक्रमों के दौरान प्राप्त आवेदनों पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए एक सप्ताह के भीतर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। अभियान के दौरान मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना सहित अन्य योजनाओं में पात्र हितग्राहियों का पंजीयन भी कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री का हो सकता है श्योपुर दौरा

कलेक्टर ने जानकारी दी कि अगस्त माह में निर्धारित भ्रमण वाले चार जिलों में श्योपुर भी शामिल है, इसलिए मुख्यमंत्री के जिले के दौरे की संभावना है। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री स्वयं जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल होकर योजनाओं की समीक्षा कर सकते हैं तथा ऑनलाइन समाधान कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे।

इन मामलों पर रहेगा विशेष फोकस

अभियान के दौरान सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों, लोक सेवा गारंटी अधिनियम, राजस्व मामलों (नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा), फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य संस्थानों, स्कूल-कॉलेज, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, शासकीय परिसंपत्तियों तथा कानून-व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। साथ ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के हितग्राहियों की स्थिति का भी परीक्षण होगा।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि अभियान केवल औपचारिकता न बने, बल्कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम साबित हो।:::

कोचिंग से लौट रही छात्रा से कथित छेड़छाड़, हाथ पकड़कर मांगा मोबाइल नंबर; आरोपी पुलिस हिरासत में

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। शहर में शुक्रवार सुबह कोचिंग से लौट रही 19 वर्षीय छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि पिछले कई दिनों से छात्रा का पीछा कर रहा युवक इस बार उसके घर तक पहुंच गया और उसका हाथ पकड़कर मोबाइल नंबर मांगने लगा। छात्रा के शोर मचाने पर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी भागने का प्रयास करने लगा। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता प्रतिदिन सुबह कॉमर्स की कोचिंग के लिए जाती है। छात्रा का आरोप है कि आरोपी पिछले करीब एक महीने से उसका पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे जब वह कोचिंग से लौटकर अपने घर के पास पहुंची, तभी आरोपी वहां आ गया। आरोप है कि उसने छात्रा का हाथ पकड़ लिया और मोबाइल नंबर देने का दबाव बनाने लगा।

छात्रा द्वारा विरोध और शोर मचाने पर पास में मौजूद उसके रिश्तेदार मौके पर पहुंच गए। उन्हें आता देख आरोपी वहां से भागने लगा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय युवक भी एकत्र हो गए और आरोपी को पकड़कर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी की पहचान शाहिद उर्फ 'स्टील ', निवासी रेगर मोहल्ला, श्योपुर के रूप में हुई है। पीड़िता ने अपने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर नामजद शिकायत दर्ज कराई।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामलखन नापाखेड़ली ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिलने पर वे भी कोतवाली पहुंचे। उनका कहना है कि आरोपी पिछले कुछ दिनों से छात्रा का पीछा कर रहा था और शुक्रवार को उसके घर तक पहुंच गया। उन्होंने ऐसी घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि समाज में स्पष्ट संदेश जाए कि ऐसी मानसिकता के लिए कोई स्थान नहीं है।

कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा विधि अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोचिंग वाहन ने छीना तीन बहनों का भाई, घर के बाहर खेल रहे 7 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

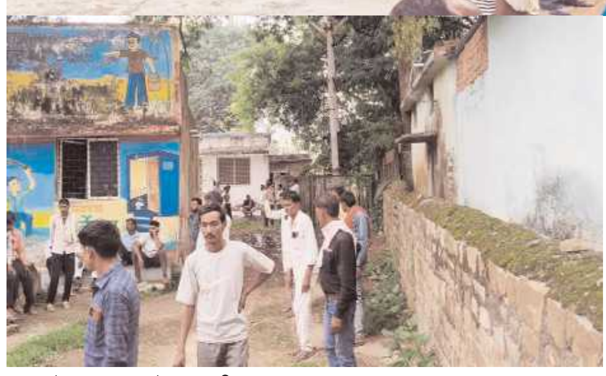

संवाददाता पंकज श्रीवास

विजयपुर। थाना विजयपुर क्षेत्र के ग्राम हीरापुरा में शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात वर्षीय मासूम अरुण पुत्र सुगल्ली कुशवाह की मौत हो गई। हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। बताया जा रहा है कि अरुण अपने घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था, तभी एक निजी कोचिंग संस्थान से संबद्ध तूफान वाहन (क्रमांक स्क्व33 क्क्व 1401) ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बालक को तत्काल विजयपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के अनुसार, हादसे के समय वाहन में एक दर्जन से अधिक स्कूली बच्चे सवार थे। ग्रामीणों का आरोप है कि चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

तीन बहनों का इकलौता भाई छिन गया

इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां पलभर में उजाड़ दीं। मृतक अरुण अपनी तीन बहनों का इकलौता भाई था। बेटे की मौत से माता-पिता गहरे सदमे में हैं, वहीं बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक का माहौल है और हर किसी की आंखें नम हैं।

कोचिंग वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

हादसे के बाद निजी कोचिंग संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों के परिवहन में उपयोग किए जा रहे वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई कोचिंग वाहन क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर तेज रफ्तार में चलते हैं, लेकिन उनकी नियमित जांच और निगरानी नहीं होती। लोगों ने प्रशासन से ऐसे वाहनों की सघन जांच अभियान चलाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

वाहन जब्त, चालक पर मामला दर्ज

घटना की सूचना मिलते ही विजयपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया तथा हादसे में शामिल वाहन को जब्त कर लिया है। चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

इनका कहना है...

विजयपुर के एक निजी कोचिंग संस्थान के वाहन से एक बालक की मौत हुई है। वाहन को जब्त कर लिया गया है। मृतक बालक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

राजन सिंह गुर्जर, थाना प्रभारी, विजयपुर

सेसईपुरा थाने पहुंचे पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, बोले– आमजन से रखें मधुर व्यवहार, अपराधियों पर करें कड़ी कार्रवाई

वार्षिक निरीक्षण में लंबित मामलों की समीक्षा, समय पर चालान पेश करने नियमित गश्त के दिए निर्देश

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने शुक्रवार को सेसईपुरा थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार रखें, जबकि अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि 'थाना न्याय की पहली सीढ़ी होता है।' इसलिए थाने पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए उसे त्वरित और निष्पक्ष न्याय दिलाने का प्रयास किया जाए, ताकि पुलिस के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत हो।

उन्होंने निर्देश दिए कि क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम के लिए नियमित गश्त बढ़ाई जाए तथा संदिग्ध एवं असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी रखी जाए। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ बिना किसी ढिलाई के वैधानिक कार्रवाई की जाए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना रिकॉर्ड, अपराध पंजिका, लंबित विवेचनाओं, गंभीर अपराधों की स्थिति तथा उनके निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों की जांच शीघ्र पूरी कर न्यायालय में समय पर चालान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो सके।

पुलिस अधीक्षक ने थाने में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी संवाद किया और उनकी विभागीय समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने मेडिकल प्रतिपूर्ति, यात्रा भत्ता, हाउस रेंट सहित अन्य लंबित भुगतान संबंधी विषयों की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण, कार्यालयीन कार्यप्रणाली तथा अनुशासन का भी अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बेहतर पुलिसिंग का उद्देश्य केवल अपराधों पर नियंत्रण करना ही नहीं, बल्कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास का मजबूत रिश्ता स्थापित करना भी है।

प्रीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में बस सेवा ठप, ग्रामीण विद्यार्थियों ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

'दो साल चली सुविधा, नए सत्र में बंद होने से बढ़ीं छात्र-छात्राओं की मुश्किलें; जल्द बस सेवा शुरू नहीं हुई तो आंदोलन की चेयतावनी '

ज़िला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्योपुर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को कॉलेज बस सेवा शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थियों का कहना है कि पिछले दो वर्षों से नियमित रूप से संचालित हो रही बस सेवा नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू होने के बाद भी चालू नहीं की गई है, जिससे दूर-दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

विद्यार्थियों ने बताया कि जिले के अनेक गांवों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कॉलेज पहुंचते हैं। बस सेवा बंद होने के कारण उन्हें घंटों सार्वजनिक परिवहन का इंतजार करना पड़ रहा है। कई विद्यार्थियों को निजी वाहनों या महंगे किराये का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ गया है। समय पर कॉलेज नहीं पहुंच पाने से नियमित उपस्थिति और पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक परेशानी ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को उठानी पड़ रही है, जिनके लिए सुरक्षित आवागमन एक बड़ी चुनौती बन गया है।

ज्ञापन में विद्यार्थियों ने मांग की कि पिछले दो वर्षों की तरह इस वर्ष भी कॉलेज बस सेवा तत्काल प्रारंभ की जाए, ताकि सभी छात्र-छात्राओं को सुरक्षित, सुलभ और नियमित परिवहन सुविधा मिल सके।

छात्र नेता अभिषेक मीणा कालोनी ने कहा कि कॉलेज बस सेवा कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि ग्रामीण विद्यार्थियों की शिक्षा तक पहुंच का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कई छात्र-छात्राएं प्रतिदिन महंगा किराया देने में असमर्थ हैं। यदि शीघ्र बस सेवा प्रारंभ नहीं की गई तो विद्यार्थियों से चर्चा कर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। छात्राओं की ओर से कोमल बैरवा ने प्रमुख रूप से ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर शिवानी, लक्ष्मी, उमा, रचना, बिन्तोश, रवि प्रजापति, बलराम मीणा, अजय मीणा सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कॉलेज प्रशासन से बस सेवा जल्द शुरू करने की मांग दोहराई।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों का ज्ञापन प्राप्त कर उनकी मांग पर नियमानुसार विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। विद्यार्थियों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन छात्रहित को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगा, जिससे सैकड़ों ग्रामीण छात्र-छात्राओं को राहत मिल सके।

कलेक्टर ने रेडक्रॉस के माध्यम से जरूरतमंदों को प्रदान की आर्थिक सहायता

गुना (निज सवांददाता)। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जरूरतमंद नागरिकों को रेडक्रॉस के माध्यनम से आर्थिक सहायता प्रदान की। आवेदक दिव्यांाग श्री सोनू जाटव पुत्र राम चरण जाटव निवासी ग्राम म्याना तहसील गुना ने स्वकयं का रोजगार स्थातपित करने के लिये सहायता के लिये आवेदन दिया था। इसी प्रकार एक अन्यन प्रकरण में श्री राजेश सेन निवासी बीनागंज ने स्वायं की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की कारण सहायता के लिये आवेदन किया था। दोनों आवेदनों पर विचार करते हुये कलेक्टिर श्री कन्योल ने दोनों आवेदनों पर दिव्यांरग श्री सोनू जाटव को 10 हजार एवं श्री राजेश सेन को 05 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की।

देहात पुलिस ने बस स्टैण्ड पर चलाया विशेष चेकिंग अभियान

भिण्ड (निजसंवाददाता)। थाना देहात भिण्ड पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से बस स्टैण्ड क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।

पुलिस को पिछले कुछ समय से बस स्टैण्ड क्षेत्र में बस संचालकों द्वारा सवारियां भरने को लेकर आपसी विवाद एवं कहासुनी होने संबंधी सूचनाएं लगातार प्राप्त हो रही थीं। उक्त शिकायतों एवं सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में थाना देहात भिण्ड पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग एवं निगरानी अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान बस स्टैण्ड पर चेकिंग प्वाइंट स्थापित कर यात्री बसों की सघन जांच की गई। इस दौरान ऐसे बस चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई, जो बीच सड़क पर बस रोककर सवारियां भर रहे थे, जिससे यातायात बाधित होने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। संबंधित बस संचालकों एवं चालकों को भविष्य में निर्धारित बस स्टॉप पर ही यात्रियों को बैठाने एवं उतारने तथा आपसी विवाद से बचते हुए यातायात नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई।चेकिंग के दौरान बस स्टैण्ड एवं उसके आसपास सार्वजनिक मार्ग पर अवैध रूप से हाथ ठेले लगाकर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले हाथ ठेला संचालकों को भी हटवाया गया तथा उन्हें सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करने एवं निर्धारित स्थान पर ही अपना व्यवसाय संचालित करने की समझाइश दी गई। अभियान के दौरान कुल 13 चालानी कार्रवाईयां करते हुए 6500 रुपए शमन शुल्क वसूल किया गया। अभियान के दौरान थाना प्रभारी देहात निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत, उपनिरीक्षक विजय शिवहरे, प्रमोद तोमर, प्रधान आरक्षक सूरतराम, रामकिशोर, जयवीर, आरक्षक मनोज वैस, अवधेश चौहान, प्रदीप यादव, पवन पाण्डेय, अमानत खान, दिलीप शाक्य, फिरोज खान, दीपक पाण्डेय सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोहद पुलिस ने बालिकाओं को दस्तयाब कर अगवा करने वाले दों आरोपियों को गिया गिरफ्तार

भिण्ड (निजसंवाददाता)। गोहद थाना क्षेत्र से अगवा हुई दो बालिकाओं को पुलिस ने सूरत गुजरात एवं कस्बा गोहद से दस्तयाब कर बालिकाओं को अगवा करने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार गत 25 जून को फरियादी ने अपनी बालिका को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसला कर ले जाने के संबंध में थाना गोहद में शिकायत की थी जिस पर से अपराध क्र. 124/26 धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया तथा 30 जून को एक अन्य प्रकरण मे फरियादी ने अपनी बालिका को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसला कर ले जाने के संबंध में शिकायत थी जिस पर से अपराध क्र.129/26 धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन व एसडीओपी गोहद महेन्द्र कुमार गौतम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गोहद के नेतृत्व में नाबालिग बालिकाओं की तालाश पतारसी हेतु टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान अपराध क्र.129/26 में बालिका को 28 जुलाई को सूरत गुजरात से तथा अपराध क्र.124/26 में बालिका को 30 जुलाई को कस्बा गोहद से दस्तयाब किया गया। उक्त प्रकरणों में 30 जुलाई को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गोहद नरेन्द्र सिंह कुशवाह, उपनिरीक्षक हरीसिंह बघेल, सउनि कम्पोटर सिंह, प्रधान आरक्षक महेश (सायबर सैल), संतोष सिंह, गौरीशंकर, सोनू कुमार, आरक्षक भानु तोमर, सागर तोमर, प्रदीप तोमर, नेहा बरैया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आदिम जाति कल्याण विभाग ने जम्हौरिया को दी भावुक विदाई

भिण्ड (निजसंवाददाता) आदिम जाति कल्याण एवं जनजातीय कार्य विभाग विभाग में 42 वर्ष की लंबी और निष्ठावान सेवा पूर्ण करने के उपरांत हेड बाबू (सहायक ग्रेड 3) मुन्नालाल जम्हौरिया शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विभाग द्वारा भव्य सेवानिवृत्ति एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने मुन्नालाल जम्हौरिया के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने 42 वर्ष के लंबे सेवाकाल में हमेशा अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन किया। विभाग के कार्यों में उनका अनुभव और मार्गदर्शन हमेशा सहकर्मियों के लिए प्रेरणादायक रहा। विदाई समारोह में उपस्थित कर्मचारियों और अधिकारियों ने शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने उनके भावी जीवन के लिए उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि की शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशासनिक अमला और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने जम्हौरिया के साथ बिताए क्षणों को याद किया, जिससे माहौल काफी भावुक नजर आया। अंत में मुन्नालाल जम्हौरिया ने भी विभाग और अपने सहकर्मियों का आभार व्यक्त किया।

देहात पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 22 पेटी अवैध शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

भिण्ड (निजसंवाददाता) पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन तथा सीएसपी निरंजन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के अंतर्गत कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में थाना देहात भिण्ड पुलिस ने अवैध शराब तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए ग्राम धरई स्थित एक बाड़े से तस्करी के उद्देश्य से रखी गई देशी एवं अंग्रेजी शराब की 22 पेटियां सहित कुल 207.165 लीटर अवैध शराब अनुमानित कीमत 1.50 लाख रुपए बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात्रि थाना देहात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम धरई निवासी एक व्यक्ति अपने गोड़ा (बाड़े) में अवैध शराब की पेटियां बिक्री एवं तस्करी के उद्देश्य से रखे हुए है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। आरोपी से पूछताछ के उपरांत उसके गोड़ा की तलाशी ली गई तो 22 पेटियां अवैध देशी व अंग्रेजी शराब की बरामद हुई। बरामद शराब की कुल मात्रा 207.165 लीटर एवं अनुमानित कीमत 1.50 लाख रुपए है। बरामद शराब के संबंध में आरोपी कोई लाइसेंस अथवा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र.515/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी से अवैध शराब के स्त्रोत, आपूर्ति श्रृंखला तथा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

बरामद मशरूका : पुलिस ने 13 पेटी देशी प्लेन मदिरा, 4 पेटी किंगफिशर कैन बीयर, एक पेटी लंदन प्राइड वोडका, एक पेटी हाफ एमडी नं.1 व्हिस्की, 10 बोतल एमडी व्हिस्की, 4 बोतल आरएस व्हिस्की, 23 हाफ आरएस व्हिस्की, 28 क्वार्टर आरएस व्हिस्की कुल मात्रा 207.165 लीटर अनुमानित कीमत 1.50 लाख रुपए की बरामद की है।

सराहनीय भूमिका : इस कार्रवाई में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक शिवप्रताप राजावत, उपनिरीक्षक अजय सिंह यादव, विजय कुमार शिवहरे , प्रधान आरक्षक विनोद सगर, गुरुदास सोही ,चतुर सिंह, जयवीर सिंह, आरक्षक कमल तोमर, अजीत सिकरवार, भूपेन्द्र तोमर, सुमित शर्मा, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, अजय उपाध्याय, फिरोज खान, अवधेश चौहान, आजाद खान, जहीर खान, धर्मेन्द्र राजौरिया, सरजीत परिहार, दीपक जादौन, अपर्णा तिवारी, किरन, सत्यभामा तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई कर लिए नमूने, 390 किग्रा घी जब्त किया

-खाद्य सुरक्षा विभाग की छापामार कार्रवाई निरंतर जारी

भिण्ड (निजसंवाददाता)। जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पाद में मिलावट के रोकथाम के उद्देश्य से कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन भिण्ड द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन लगातार निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई कर रहा है।

शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी किरण सेंगर द्वारा भिण्ड में स्थित खाद्य विक्रेताओं पर कार्रवाई की गई। जिसमें विनोद डेयरी गौरी रोड भिण्ड पर पहुंचकर घी की जांच केमिकल से की गई। घी में मिलावट की शंका होने पर घी के 2 नमूने लिए गए। मौके पर पाए गए लगभग 390 किलो घी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2.73 लाख रुपए को जब्त किया गया। सोनम प्रोविजन स्टोर गौरी रोड भिण्ड से चना दाल का नमूना लिया गया। दुकान में अनियमितताएं पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया।

साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी ने मेहगांव में कार्रवाई की। दुग्ध विक्रेता रायसिंह नरवरिया, रामदास कुशवाह, राजीव गोस्वामी एवं ब्रह्मा सिंह परिहार के वाहनों से दूध के नमूने लिए गए। तत्पश्चात सांची के चिलिंग प्लांट पर पहुंचकर बारह दुग्ध समितियों से दूध के नमूने लिए गए। इसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी ग्राम गढ़ी, तहसील मेहगांव स्थित यश डेयरी पर पहुंची, जहां से घी के दो नमूने संग्रहित किए गए। सभी नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को मानक स्तरों की जांच हेतु भेजा जाएगा।

बृजेन्द्र तिवारी का निधन मेरी व्यक्तिगत क्षति : डॉ. गोविन्द सिंह

भिण्ड (निजसंवाददाता)।पूर्व मंत्री एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने पूर्व विधायक बृजेन्द्र तिवारी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनका निधन मेरी व्यक्तिगत क्षति है। डॉ. सिंह ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि स्व. तिवारी से मेरा बहुत लंबा साथ रहा है, वे बेहद खुश मिजाज और मिलनसार व्यक्ति थे।

पिंक ड्राइविंग लाइसेंस ड्राइव का किया गया आयोजन

-40 से अधिक बालिकाओं को तत्काल लर्निंग लाइसेंस बनाकर कराए गए उपलब्ध

भिण्ड (निजसंवाददाता)। मिशन शक्ति के उपघटक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन के तहत पिंक ड्राइविंग लाइसेंस ड्राइव का आयोजन शा. गांधी कॉलेज बालाजी मिहोना में किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग से बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना, आउटरीच कार्यकर्ता दीपेन्द्र शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य धर्म सिंह, रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक तिवारी, महाविद्यालय का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में बालिकाएं उपस्थित रहीं।

महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना ने बताया कि मप्र शासन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा निर्देशित पिंक लाइसेंस ड्राइव का प्रमुख उद्देश्य महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिलाओं के लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस और स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस तैयार कर उनके सशक्तीकरण की दिशा में एक पहल है, उन्होंने अवगत कराया कि बालिकाओं और महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस पूर्णतः निशुल्क हैं। किसी भी स्तर पर आपको कोई शुल्क देने की आवश्यकता नहीं है।

शा. गांधी महाविद्यालय मिहोना में आयोजित कार्यक्रम में 150 से अधिक बालिकाओं ने प्रतिभागिता की, जिनमें सभी बालिकाओं के लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पंजीयन कराए गए एवं 40 से अधिक बालिकाओं को तत्काल लर्निंग लाइसेंस बनाकर उपलब्ध कराए गए। आरटीओ विभाग से उपस्थित कंप्यूटर ऑपरेटर दीपक भदौरिया द्वारा बालिकाओं को लर्निंग लाइसेंस के पंजीयन की प्रक्रिया समझाई गई। पंजीयन के पश्चात उनको ड्राइविंग टेस्ट के बारे में भी जानकारी दी गई और 40 बालिकाओं के ड्राइविंग टेस्ट भी पास कराए गए। ड्राइविंग टेस्ट पास करने के उपरांत उनका लर्निंग लाइसेंस जनरेट हो गया और बालिकाओं को प्रदान किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महेन्द्र सिंह अंब एवं जिला परिवहन अधिकारी राजेन्द्र सोनी ने स्पष्ट किया कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में पिंक ड्राइविंग लाइसेंस बहुत ही प्रशंसनीय पहल है और इससे न केवल बालिकाओं का सशक्तिकरण अपितु आधी आबादी के ड्राइविंग लाइसेंस के पंजीयन की दर भी बढ़ेगी और दोनों विभाग समन्वय के साथ आगे भी महिला सशक्तिकरण की ओर पिंक ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया जारी रखेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य धर्मसिंह एवं कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक तिवारी ने दोनों विभागों से अनुरोध किया कि वह आगे भी इस तरह के शिविर महाविद्यालय में लगाकर बालिकाओं को जागरूक करेंगे और विद्यालय इस तरह की गतिविधि का हमेशा स्वागत करता है।

कार्यक्रम के अगले चरण में मिशन वात्सल्य के तहत पोक्सो एक्ट की जानकारी गई। पोक्सो ई-बॉक्स पोर्टल पर शिकायत करने का तरीका बताया, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 महिला एवं बालकों से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, 112 की जानकारी प्रदान की गई। बाल विवाह प्रतिशेष अधिनियम के तहत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में बालिकाओं को और स्टाफ को बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई गई।

आवश्यक सूचना

रेल यात्रियों के सुविधा एवं बढ़ती मांग को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा निम्नलिखित MEMU पैसेंजर गाड़ियों की 8-कोच (8-CAR) रेक को बढ़ाकर 12-कोच (12-CAR) रेक किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
64609	खजुराहो – वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	प्रतिदिन	05.08.2026
64610	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी – खजुराहो		05.08.2026
64647	खजुराहो – ललितपुर	प्रतिदिन	05.08.2026
64648	ललितपुर – खजुराहो		05.08.2026
64649	महोबा – खजुराहो	प्रतिदिन	05.08.2026
64650	खजुराहो – महोबा		05.08.2026

उपरोक्त के अतिरिक्त गाड़ी संख्या 04191/04192 ग्वालियर–रीवा (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी को परिचालनिक कारणों से निम्न तिथियों तक निरस्त कर दिया गया है, विवरण निम्नानुसार है:–

- ग्वालियर से गाड़ी संख्या 04191, प्रत्येक बुधवार, दिनांक : 05.08.2026 से 25.11.2026
- रीवा से गाड़ी संख्या 04192, प्रत्येक बुधवार, दिनांक : 05.08.2026 से 25.11.2026

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1756/26(AS)

नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ गूंजा जैन महाविद्यालय

- युवाओं की प्रतिभा को मिला सम्मान

भिण्ड (निजसंवाददाता)। मेरा युवा भारत केन्द्र जिला भिण्ड द्वारा जैन महाविद्यालय में आयोजित 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत 2026' कार्यक्रम युवाओं के उत्साह, रचनात्मकता एवं सामाजिक जागरूकता का प्रेरणादायी संगम बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकालीन सत्र में जैन महाविद्यालय के प्राचार्य अतुल श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना, माय भारत युवा स्वयंसेवक चयन समिति के सदस्य हरेन्द्र जाटव तथा जिला युवा अधिकारी भिण्ड माय भारत आशुतोष साहू ने युवाओं को नशामुक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्लैम पोएट्री, वाद-विवाद, पेंटिंग, नारा लेखन, शॉर्ट फिल्म/ रील, समूह नृत्य एवं नुक्कड़ नाटक जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें जिले भर के विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि उपपुलिस अधीक्षक रविन्द्र वास्कले रहे। इस अवसर पर मुख्य विधिक सहायता अधिकारी हनुमंत बोहरे, जैन महाविद्यालय के प्राचार्य अतुल श्रीवास्तव एवं जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू ने विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं- No. JHS/Commercial/e-Auction/26/74 दिनांकः 30.07.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)- झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती हैः-

श्रेणीः प्रचार | **केटलॉग संख्याः** JHS-NFR-CLOAK 74

एसेट्स डिटेल्सः ई-ऑक्शन के माध्यम निम्न रेलवे स्टेशनों पर ठेकों का आवंटनः-

1. Allotment of contact for operation and management of CLOAK room at **GWALIOR** railway station for a period of 05 years.

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समयः दिनांक 13.08.2026 को समय- 10:00 से

ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समयः दिनांक 13.08.2026 समय- 10:30 तक

नोटः- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट-**www.ireps.gov.in** के e-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। **1744/26(K)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः JHS-N-W-51-26 दिनांकः 29.07.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन **(ई-टेन्डरिंग)** के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्याः JHS-N-W-51-26, **कार्य का नामः** प्रोविशन ऑफ़ S&T वर्क इन कनेक्शन विथ **RCC** बाउंड्री वाल अलोंग दी ट्रैक इन झाँसी कानपुर सेंट्रल सेक्शन (12.8 kms), झाँसी-मानिकपुर सेक्शन (5.8 kms) & ललितपुर-खजुराहो जंक्शन सेक्शन (5.8 kms) अंडर jurisdiction ऑफ़ Sr. DSTE/BL/JHS ऑफ़ झाँसी डिवीजन।

कार्य लागत लगभगः (₹): ₹ 1,30,67,091.74/- | **धरोहर राशिः (₹):** ₹ 2,61,400/-

निविदा प्रपत्र का मूल्यः Nil. | **निविदा खुलने की तिथिः** 25.08.2026 Time 15:00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 12 माह

(1) निविदा दिनांक **25.08.2026** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। **(2)** पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** **(NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T)** पर देखें। **1738/26 (MG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

बहनों की शक्ति और आशीर्वाद से आगे बढ़ रहा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्व-सहायता समूहों को प्रदान की 300 करोड़ रुपए ऋण राशि

माही नदी पर महर्षि श्रृंगी की तपोभूमि श्रृंगेश्वर तीर्थ स्थल पर निर्मित होगा घाट

झाबुआ में किया 174.64 करोड़ के 29 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 109.17 करोड़ लागत के 28 विकास कार्यों का लोकार्पण

हितग्राहियों को किये हितलाभ वितरित, मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का कार्य सरकार और सामाजिक दोनों स्तर पर हो रहा है। बहनें स्व-सहायता समूहों को नई ताकत दे रही हैं। कृषि, पशुपालन, बैंक, उद्यम सखियां भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। बहनों की सार्थक भूमिका से प्रत्येक परिवार में समृद्धि आ रही है। राज्य सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों की शक्ति और आशीर्वाद से प्रदेश आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों और पंचायतों में 50 प्रतिशत स्थान बहनों के लिए आरक्षित है। सरकारी सेवाओं में बहनों के लिए 35 प्रतिशत स्थान आरक्षित रखे गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा और राज्यसभा में बहनों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को शासकीय महाविद्यालय ग्राउंड, थांदला, जिला झाबुआ में आयोजित स्व-सहायता समूहों के क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेज गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जब लगातार तीन बार पड़ौसी राज्य गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब झाबुआ के आसपास जनजातीय अंचल में विकास के अद्भुत कार्य हुए। पूरी दुनिया गुजरात की शक्ति से परिचित हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। उनके मन में बहनों के लिए विशेष सम्मान है। उनके माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी बहनें के सशक्तिकरण के लिए 300 करोड़ रुपये के ऋण दिए गए हैं। स्व-सहायता समूहों से बहनों की समृद्धि का मार्ग खुल रहा है। यह आत्मनिर्भरता और समाजिक सशक्तिकरण का एक बड़ा आंदोलन बन रहा है। सहयोग और सहभागिता से समृद्ध होकर बहनें नए रिकॉर्ड बना रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब हमारी बहनें 10 हजार रुपए प्रति महीना तक आय अर्जित कर रही हैं। प्रदेश की लाड़ली बहनें, उद्यमी बहनें, कृषि सखी सभी आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश में स्व-सहायता समूहों के द्वारा 196 दीदी कैफे संचालित किए जा रहे हैं। झाबुआ में भी बहनें 4 कैफे चला रही हैं। प्रदेश में 85 आजीविका पुस्तकालयों का संचालन स्व-सहायता समूहों की बहनों के हाथों में है। गैर कृषि आधारित 150 से अधिक कार्य बहनें कर रही हैं। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट प्रमाण है। होलकर साम्राज्य की रानी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने भील पल्टन बनाकर जनजातीय समुदाय पर विश्वास जताया था। रानी दुर्गावती, वीरांगना अवंतीबाई, रानी पद्मावती, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जैसी बहनों ने सुशासन और त्याग के बल पर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया।

रोजगार दिलवाना प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार दिलवाने के लिये निरन्तर नई पहल कर रही है। मध्यप्रदेश में ग्वालियर अंचल में संचार क्षेत्र में नई इकाई की स्थापना की जाएगी। इससे 14 हजार नये रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गत 17 सितम्बर को धार जिले में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास किया। पीएम मित्र पार्क से 3 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। कपास उत्पादक किसान इस पार्क से बड़ी संख्या में लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय बहुल क्षेत्र में जो पट्टे दिए गए हैं, उनकी निःशुल्क रजिस्ट्री भी करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोई मिशनरी धर्मान्तरण नहीं कर सकेगी। स्थानीय निवासी ज्यादा से ज्यादा गौशाला खोलें, दूध का उत्पादन बढाएं। ऐसे कार्यों के लिए सरकार पूरी सहायता कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उद्योग और एमएसएमई के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। अब झाबुआ, धार, आलीराजपुर के लोगों को रोजगार के लिए पलायन करने की जरूरत नहीं होगी। अपने घर में ही काम मिलेगा। बड़े-बड़े कारखाने यहां आएंगे।

स्व-सहायता समूहों को राशि वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण के लिए 300 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण किया। इसमें झाबुआ जिले के 215 स्व-सहायता समूहों के लिए 10.8 करोड़ का ऋण भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ जिले को 174.64 करोड़ रुपये के 29 विकास कार्यों के भूमि-पूजन और 109.17 करोड़ रुपये के 28 विकास एवं आधारभूत संरचना कार्यों के लोकार्पण की सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया और मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'आजीविका मेला'' प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

प्राकृतिक खेती के लिए अनुकूल झाबुआ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि झाबुआ क्षेत्र प्राकृतिक खेती के लिए वरदान है। उन्होंने प्राकृतिक खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों पर चर्चा भी की। महिला कृषक बहनों ने बताया कि प्राकृतिक खेती से पिछले दो-तीन साल में जीवन में बड़ा बदलाव आया है। राज्य सरकार कृषि कल्याण वर्ष मना रही है। इसमें बहनों की बड़ी भूमिका है। हमारी बहनें ट्रैक्टर से लेकर ड्रोन तक चला रही हैं। ड्रोन दीदीयां खेतों में कीटनाशकों क छिड़काव कर रही हैं। इस वर्ष गेहूं उपार्जन में भी दीदीयों ने कमाल कर दिया। मध्यप्रदेश ने पूरे देश में सबसे अधिक गेहूं खरीदा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री के सहयोग से 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया। इसमें भी बहनों ने अपने समूहों को लाभान्वित किया। प्रदेश में 89 ड्रोन दीदीयां, पशुपालन दीदीयां, बैंक सखी जैसी बहनें काम कर रही हैं। व्यावसायिक सब्जी उत्पादन, पशुपालन और जैविक खेती में बहनों ने उत्कृष्ट कार्य किया है। महिला किसान उत्पादक संगठनों ने 958 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। झाबुआ जिले में 11 हजार 900 से अधिक स्व-सहायता समूह एक लाख 56 हजार से अधिक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और आजीविका का अधिकार दे रहे हैं। प्रदेश में 64 हजार लखपति दीदीयां जनजातीय क्षेत्र में आर्थिक उत्थान का कार्य कर रही हैं। समूहों के सशक्तिकरण के लिए 285 करोड़ की सहायता दी गई है। झाबुआ में अब कड़कनाथ जनता के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन गया है। बहनें मुर्गीपालन, पशुपालन, मछली पालन कर आगे बढ़ रही हैं। लाड़ली बहनों के खाते में हर माह 1500 रुपए की राशि भेजी जा रही है। हमारी सरकार जो कहती है, करके दिखाती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूहों की बहनों के माध्यम से अगले साल से स्कूली बच्चों को सिली हुई ड्रेस उपलब्ध करवाई जाएंगी।

समान नागरिक संहिता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सभी धर्मों के लोगों के सम्मान के लिए एक समान कानून लागू करने का निर्णय लिया है। इसमें जनजातीय समुदाय को मुक्त रखा गया है। यूसीसी बिल विधानसभा से पास हो चुका है।

दुराचार करने वालों को फांसी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि झाबुआ और धार में धर्मांतरण करने वालों को कानून के अनुसार सजा दिलवाई जाएगी। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए महिला सुरक्षा डेस्क और प्रत्येक जिले में महिला थाने बनाए जा रहे हैं। महिलाओं के साथ दुराचार करने वालों को फांसी की सजा मिलेगी। केंद्र सरकार के सहयोग और नक्सलवाद को पूरी तरह से समाप्त करने के दृढ़ संकल्प के कारण प्रदेश के बालाघाट, मंडला, डिंडौरी अंचल से नक्सलवाद को पूर्णतः समाप्त कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ को दी सौगातें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 70 करोड़ की लागत से झाबुआ में आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय का भूमि-पूजन किया गया है। प्रदेश को अब तक 9 आयुर्वेदिक कॉलेजों की सौगात मिल चुकी है। यहां 35 करोड़ 29 लाख की लागत से सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ होंगे। झाबुआ के थांदला से अब रेलगाड़ी भी गुजरेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि थांदला में पक्का हेलीपैड बनेगा। प्रत्येक विधानसभा में खेल स्टेडियम बनाएंगे। पद्मावती नदी पर घाट निर्माण किया जाएगा। छोटी काशी में भी घाट बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रणजी टीम में चयनित थांदला के क्रिकेटर श्री अर्पित भटेवरा को ट्रॉफी भेंटकर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों और युवाओं को हेलमेट वितरित किए।

जनजातीय कार्य मंत्री एवं झाबुआ जिले के प्रभारी कुंवर विजय शाह ने कहा कि झाबुआ में यह जनजातीय बहनों की सबसे बड़ी सभा है। प्रदेश को रोड और रेलवे की बड़ी सौगातें मिली हैं। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ जिले को अनेक विकास कार्यों की सौगात दी है। अब जनजातीय क्षेत्र के बच्चों को भी सर्व सुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिल रहा है। सांसद श्रीमती अनीता चौहान ने कहा कि झाबुआ एक जनजातीय बहुल जिला है। यहां खेलों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम बनाए जाने की आवश्यकता है। झाबुआ के युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम को पूर्व विधायक श्री कलसिंह भांवर और श्री भानू भूरिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें, आजीविका समूह की बहनें तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती कर रही उन्नतशील कृषि सखियों से किया संवाद

प्राकृतिक खेती सेहत और आमदनी का सबसे अच्छा स्रोत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

झाबुआ में प्राकृतिक खेती के सबसे उन्नत अवसर

कृषि सखियों से प्राकृतिक खेती से हो रही आमदनी और प्राकृतिक तकनीकों के बारे में जाना

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि झाबुआ जिले में प्राकृतिक खेती के पर्याप्त अवसर हैं। प्राकृतिक खेती न सिर्फ सेहत के लिए, बल्कि अच्छी आमदनी का भी अवसर प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में नए अवसर पैदा हुए हैं। इसके लिए प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत सभी आवश्यक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को झाबुआ जिले के थांदला में प्रदेश स्तरीय 'स्व-सहायता समूहों का क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम' में शामिल हुए। यहां उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई प्राकृतिक खेती कर रहीं उन्नतशील कृषि सखियों और किसानों से संवाद किया। उन्होंने किसानों के अनुभव जाने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने की जीवामृत और बीजामृत बनाने का प्रशिक्षण देने वाली उन्नत कृषि सखियों के कार्यों की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम देवीगढ़, विकासखंड मेघनगर की उन्नतशील कृषि सखी श्रीमती संगीता डामोर से संवाद कर प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उनके अनुभवों एवं प्रयासों की सराहना की। संवाद के दौरान श्रीमती डामोर ने बताया कि उन्होंने कृषि सखी के रूप में प्राकृतिक खेती का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्तमान में वे अपने गांव एवं आसपास के 125 किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दे रही हैं। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से बीजामृत, जीवामृत और नीमास्त्र जैसे प्राकृतिक आदान बनाने की विधियां बता रही हैं। उन्होंने बताया कि वे लगभग एक हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती कर रही हैं तथा पिछले चार वर्षों से आत्मा परियोजना से जुड़कर नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने के साथ अन्य किसानों तक भी पहुंचा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि प्राकृतिक खेती एवं बेहतर फसल प्रबंधन अपनाने से गेहूं का उत्पादन 35 क्विंटल से बढ़कर 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया, जिससे उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और आय में वृद्धि का प्रभावी माध्यम बन रही है। श्रीमती डामोर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री स्वयं कृषि सखियों से पास पहुंच कर की चर्चा मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं कृषि सखियों के पास जाकर उनसे प्राकृतिक खेती के अनुभवों को जाना और प्राकृतिक खेती से होने वाली आमदनी की जानकारी ली। उन्होंने सभी बहनों को आगामी रक्षाबंधन के त्योहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रगतिशील किसान विमल ने अपनाई प्राकृतिक खेती, दोगुना आर्थिक लाभ लेने लगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ जिले के विकासखंड झाबुआ के ग्राम खेड़ी निवासी प्रगतिशील कृषक श्री विमल भाबोर से संवाद कर प्राकृतिक खेती के उनके अनुभव जाने। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने उनसे प्राकृतिक खेती अपनाने की प्रेरणा, खेती में आए बदलाव, आय में हुई वृद्धि तथा अन्य किसानों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की। संवाद के दौरान श्री विमल भाबोर ने बताया कि उनके पास 25 बीघा कृषि भूमि है तथा वे खेती के साथ पशुपालन भी करते हैं। कृषि विभाग के मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, भ्रमण एवं कृषक संगोष्ठियों से उन्हें नई तकनीकों को सीखने का अवसर मिला। वे पिछले पाँच वर्षों से जैविक खेती तथा दो वर्षों से प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। श्री भाबोर ने मुख्यमंत्री को बताया कि राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत उन्होंने अपने खेत पर जैव संसाधन केंद्र (बीआरसी) स्थापित किया है, जहां जीवामृत, बीजामृत एवं अन्य प्राकृतिक आदानों का निर्माण किया जाता है। इनका उपयोग वे अपने खेत में करने के साथ आसपास के किसानों को भी उपलब्ध कराते हैं। वर्तमान में वे प्राकृतिक विधि से सब्जियों, फलों एवं अन्य फसलों का उत्पादन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि पहले खेती से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 50 हजार रुपये का लाभ मिलता था, जबकि प्राकृतिक खेती अपनाने के बाद उनकी वार्षिक आय बढ़कर लगभग 1 लाख से 1.50 लाख रुपये हो गई है। इसके अतिरिक्त मार्च से जून 2026 के दौरान जैव संसाधन केंद्र से 5 हजार 500 रुपये, नर्सरी से लगभग 1.50 लाख रुपये, प्राकृतिक सब्जियों एवं फलों से लगभग 1.60 लाख रुपये तथा वर्मी कम्पोस्ट खाद से लगभग 6 हजार रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषक श्री विमल भाबोर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की आय बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा स्वस्थ कृषि व्यवस्था विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने श्री भाबोर से अन्य किसानों को भी प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

कृषक श्री विमल भाबोर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सरकार की योजनाओं से उन्हें प्राकृतिक खेती अपनाने तथा आत्मनिर्भर बनने की नई दिशा मिली है। इस दौरान प्रभारी मंत्री श्री विजय शाह, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, संभागायुक्त श्री भास्कर लक्षकार, आईजी श्री अनुराग,कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट, एसपी श्री देवेंद्र पाटीदार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय परिवार के घर किया भोजन

मुख्यमंत्री थांदला में पहुंचे श्री बसंत सिंह बामनिया के घर

जनजातीय बहनों से बंधवाई राखी, बच्चों को दिया स्नेह-दुलार

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव झाबुआ जिले के थांदला में जनजातीय समुदाय के श्री बसंत सिंह बामनिया के घर पहुंचकर उनके परिवार के साथ समय बिताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवार के सदस्यों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने जनजातीय बहनों से सावन मास में रक्षाबंधन से पूर्व राखी बंधवाई तथा बच्चों को स्नेह-दुलार देकर उन्हें अपनेपन का एहसास कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज थांदला में आयोजित प्रदेश स्तरीय स्व-सहायता समूहों के क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम में होंगे शामिल होने के लिए पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ प्रभारी मंत्री श्री विजय शाह और श्रीमती निर्मला भूरिया तथा सांसद श्रीमती अनिता नागर सिंह चौहान भी उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने परिवार के बीच बैठकर उनके साथ भोजन ग्रहण किया।

गोदड़ी पर बैठकर पत्तल में किया भोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य जन की तरह गोदड़ी पर बैठकर पत्तल में भोजन किया। मिट्टी और गारे से बने सादे घर के आंगन में परिवार के बीच बैठकर उन्होंने आत्मीय वातावरण में भोजन ग्रहण किया। परिवार की महिलाओं ने अपने हाथों से पारंपरिक जनजातीय व्यंजन बड़े प्रेम और आत्मीयता के साथ परोसे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशेष रूप से उड़द की दाल-पानिया का स्वाद लिया तथा भोजन की सराहना करते हुए परिवार द्वारा दिये गये प्रेम और सम्मान का आभार जताया।

बहनों ने बांधी राखी, मुख्यमंत्री ने दिया स्नेह और सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की कलाई पर जनजातीय समुदाय की बहनों ने राखी बांधकर उनके मंगलमय जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों को शुभकामनाएं दीं।

लाड़ली बहनों और लाड़ली लक्ष्मी बेटियों से मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवार की लाड़ली बहनों और लाड़ली लक्ष्मी बेटियों से हालचाल जाना तथा उनसे अपनत्व भरी बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा हर परिवार की खुशहाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवार के बच्चों से भी बड़े स्नेहपूर्वक मुलाकात की। बच्चों के साथ सहज बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने नन्हे शिवांश को स्नेहपूर्वक दुलारा।

जनजातीय परिवार से किया आत्मीय संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोजन के बाद परिवार के सदस्यों से चर्चा की। उन्होंने जनजातीय समाज की परंपराओं, आजीविका, शिक्षा, बच्चों के भविष्य तथा शासन की योजनाओं से मिलने वाले लाभों के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराएं और जीवन-मूल्य मध्यप्रदेश की अमूल्य धरोहर हैं। राज्य सरकार उनके सर्वांगीण विकास और सम्मान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री आवास योजना से मिला पक्का घर, फिर भी परंपरा और बुजुर्गों की स्मृतियों से जुड़ा है परिवार

श्री बसंत सिंह बामनिया ने बताया कि उन्हें पीएम आवास योजना के अंतर्गत सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त पक्का आवास प्राप्त हो चुका है। परिवार आज भी अपने पुराने गारे-मिट्टी के घर में रहना पसंद करता है। उनका कहना है कि यह घर केवल एक मकान नहीं, बल्कि परिवार की कई पीढ़ियों की यादों, परंपराओं और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। बुजुर्गों की स्मृतियों को संजोए इस घर से उनका विशेष लगाव है। साथ ही, उनका मानना है कि मिट्टी के घर का प्राकृतिक और शुद्ध वातावरण आज भी उन्हें आत्मीय सुकून और अपनापन प्रदान करता है। इसलिए परिवार के साथ यहां भी रहते है। श्री बसंत मप्र शासन की संबल योजना के भी हितग्राही है।